

बर्ष:- 06

अंक:- 31

मुरादाबाद

(Friday)

22 May 2026

पृष्ठ:-8

मूल्य:- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

# कृषि व लिखू सब

भारत सरकार से रजिस्टर्ड  
RNI No.UPBIL/2021/83001



मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ़ और उत्तराखंड

## आनंदीबेन पटेल बोलीं- विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए लागू हो यूनिफॉर्म व्यवस्था

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने बलिया विश्वविद्यालय की समीक्षा बैठक में कहा कि छात्राओं को ऐसी दिशा दें, जिससे असामाजिक तत्वों के प्रभाव से दूर रहें। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल व राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल ने कहा कि सभी विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए यूनिफॉर्म व्यवस्था लागू की जाए। ताकि, उनके बीच बेहतर अनुशासन रहे। उन्होंने शिक्षकों को निर्देश दिया कि कोई भी शिक्षक ऐसा कार्य न



करें, जिससे गुरु की गरिमा व महिमा को ठेस पहुंचे। निर्देशित किया कि शिक्षक समय से कक्षाओं में जाएं। विद्यार्थियों की नियमित व समयबद्ध उपस्थिति भी सुनिश्चित करें। राज्यपाल बुधवार को जनभवन में जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया से संबद्ध राजकीय व वित्तपोषित महाविद्यालयों की समीक्षा कर रही थीं। उन्होंने महिला महाविद्यालयों के छात्रावासों की स्थिति सुधारने और छात्राओं के संरक्षण व सकारात्मक मार्गदर्शन पर विशेष बल दिया। कहा कि छात्राओं को सही दिशा दी जाए। ताकि, वे असामाजिक तत्वों के प्रभाव से दूर रहकर सुरक्षित व सम्मानजनक जीवन जी सकें। उन्होंने सभी विश्वविद्यालयों व महाविद्यालयों में ऐसी समिति गठन के निर्देश दिए, जहां छात्राएं व छात्र अपनी समस्याएं खुलकर रख सकें। उनका त्वरित समाधान किया जा सके। उन्होंने छात्राओं को रोजगारपरक व आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से विभिन्न वोकेशनल कोर्स शुरू करने पर बल दिया। छात्राओं के लिए विशेष रूप से ब्यूटीशियन, मेहंदी, जीएसटी, अकाउंटेंसी तथा मिलेट आधारित व्यंजन निर्माण जैसे पाठ्यक्रम शुरू करने के निर्देश दिए, ताकि छात्राएं स्वरोजगार एवं रोजगार प्राप्त करने में सक्षम बन सकें। समीक्षा में महाविद्यालयों में पाई गई कमियों पर चिंता व्यक्त करते हुए शासन, विभागीय अधिकारियों व कुलपति को निर्देश दिया कि सभी महाविद्यालयों का नियमित निरीक्षण किया जाए तथा कमियों को तत्काल दूर किया जाए। कृषि विषय संचालित करने वाले महाविद्यालयों को निर्देश दिया कि ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा दे। बैठक में विशेष कार्याधिकारी राज्यपाल डॉ. सुधीर महादेव बोबडे, विशेष कार्याधिकारी (शिक्षा) डॉ. पंकज एल जानी, कुलपति प्रो. संजोत कुमार गुप्ता व महाविद्यालयों के प्रधानाचार्य आदि उपस्थित थे।

## संक्षिप्त समाचार

### यूपी में 9 सीनियर आईपीएस अफसरों के तबादले

यूपी में नौ सीनियर आईपीएस अफसरों के तबादले कर दिए गए हैं। अपर पुलिस महानिदेशक यातायात सड़क सुरक्षा ए सतीश गणेश की जिम्मेदारी बढ़ाई गई है। यूपी में नौ सीनियर आईपीएस अफसरों के तबादले कर दिए गए हैं। अपर पुलिस महानिदेशक यातायात सड़क सुरक्षा ए सतीश गणेश की जिम्मेदारी बढ़ाई गई है। वर्तमान जिम्मेदारी के साथ ही उन्हें अपर पुलिस महानिदेशक अपराध उत्तर प्रदेश की भी जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसी तरह जय नारायण सिंह को पुलिस महानिदेशक ईओडब्ल्यू यूपी लखनऊ की जिम्मेदारी दी गई है। अभी तक वो पुलिस महानिदेशक/अपर पुलिस महानिदेशक यूपी पाँवर कॉरपोरेशन की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। आईपीएस ध्रुव कांत ठाकुर को पुलिस महानिदेशक/महासमादेश, होमगार्ड यूपी के साथ ही पुलिस महानिदेशक नागरिक सुरक्षा का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। देशक, सीआईडी यूपी के साथ-साथ पुलिस महानिदेशक, साइबर क्राइम यूपी, लखनऊ व पुलिस महानिदेशक यूपी 112 लखनऊ का भी अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। आईपीएस आलोक सिंह को पुलिस महानिदेशक, पीएससी मुख्यालय, यूपी लखनऊ के साथ-साथ पुलिस महानिदेशक विशेष सुरक्षा बल का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। आईपीएस अनुपम कुलश्रेष्ठ को अपर पुलिस महानिदेशक, कानपुर जोन नियुक्त किया गया है। आईपीएस डॉ. आर के स्वर्णकार को अपर पुलिस महानिदेशक यूपी पाँवर कारपोरेशन की जिम्मेदारी दी गई है।

## योगी सरकार का बड़ा फैसला, अब विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में ड्रेस कोड होगा अनिवार्य

प्रदेश के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में ड्रेस कोड अनिवार्य किया जाएगा। सरकार का कहना है कि इससे छात्रों में समानता, अनुशासन और सामाजिक समरसता बढ़ेगी। नई व्यवस्था का उद्देश्य शैक्षणिक वातावरण को बेहतर बनाना और छात्रों को भेदभाव से मुक्त समान माहौल उपलब्ध कराना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार शिक्षा व्यवस्था में गुणवत्ता, अनुशासन और सामाजिक समरसता को मजबूत करने की दिशा में लगातार महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। इसी क्रम में प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के निर्देशानुसार प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में ड्रेस कोड का पालन अनिवार्य किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिक्षण संस्थान में यथासंभव एक समान ड्रेस कोड लागू किया जाएगा, जिससे छात्र-छात्राओं के बीच समानता और अनुशासन की भावना को बढ़ावा मिलेगा। मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि छात्र वर्ग एक समरूप (होमोजेनियस) वर्ग होता है, जहां किसी भी प्रकार का ऊंच-नीच या भेदभाव परिलक्षित नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि



कई बार पहनावे के माध्यम से सामाजिक और आर्थिक असमानता दिखाई देती है, जिससे कुछ छात्रों में हीन भावना तथा कुछ में श्रेष्ठता का भाव विकसित हो जाता है। ड्रेस कोड लागू होने से इन परिस्थितियों पर प्रभावी नियंत्रण होगा और सभी छात्र समान वातावरण में अध्ययन कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि योगी सरकार का उद्देश्य केवल शैक्षणिक गुणवत्ता बढ़ाना नहीं बल्कि शिक्षण संस्थानों में सकारात्मक, अनुशासित और संस्कारित माहौल तैयार करना भी है। ड्रेस कोड केवल अनुशासन का प्रतीक नहीं बल्कि

सामाजिक समरसता और समान अवसर की भावना को मजबूत करने का माध्यम भी बनेगा। इससे छात्र-छात्राओं का ध्यान शिक्षा और व्यक्तित्व विकास पर अधिक केंद्रित रहेगा। मंत्री उपाध्याय ने कहा कि प्रदेश सरकार उच्च शिक्षा संस्थानों को आधुनिक और अनुशासित शैक्षणिक वातावरण देने के लिए लगातार सुधारात्मक कदम उठा रही है। नई व्यवस्था लागू होने के बाद विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में एकरूपता के साथ बेहतर शैक्षणिक संस्कृति विकसित होगी, जो विकसित उत्तर प्रदेश और विकसित भारत के लक्ष्य को मजबूत आधार प्रदान करेगी।

## PDA मतलब परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी: केंद्रीय मंत्री बघेल का अखिलेश पर तीखा हमला, बोले- 2027 में फिर खिलेगा कमल



और दंगों से जोड़कर देखती है। वर्ष 2027 में प्रदेश में सरकार बनाने के अखिलेश यादव के दावे पर प्रो. बघेल ने कहा कि यह वैसा ही है जैसे कि बिहार में लालू प्रसाद यादव के पुत्र सरकार बनाने का सपना देख रहे थे। प्रदेश की जनता पुनः भाजपा के विकास और सुशासन के पक्ष में वोट देगी।

शोक संवेदना व्यक्त करने वालों में भाजपा के तेलंगाना के महामंत्री संगठन चंद्रशेखर, शिव कुमार पाठक, विधायक डॉ. सुरभि और विजय पांडे भी शामिल थे। इस दौरान भाजपा के क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी अनूप अवस्थी, दक्षिण इकाई के सह मीडिया प्रभारी विनय राठौर, अनूप तिवारी, अरविंद वर्मा सहित अन्य मौजूद रहे। बघेल ने कहा कि राणा सांगा पर सपा

## आर्थिक नीतियों में बड़े बदलाव की जरूरत, कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर बोला तीखा हमला

कांग्रेस ने मोदी सरकार की आर्थिक नीतियों में बड़े बदलाव की मांग की है। जयराम रमेश ने कहा कि बढ़ती महंगाई, घटते निवेश और चीन से आयात के कारण अर्थव्यवस्था संकट में है। उन्होंने आरोप लगाया कि डर के माहौल और पूंजीवाद की वजह से निजी निवेश नहीं बढ़ रहा है। कांग्रेस ने देश की अर्थव्यवस्था की स्थिति पर चिंता जताई है। पार्टी का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अर्थव्यवस्था पर नए ज्ञान की जरूरत है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने तंज कसते हुए आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री %ज्ञाने% (मुख्य चुनाव आयुक्त) के जरिए चुनाव मैनेज कर रहे हैं, लेकिन आर्थिक मोर्चे पर उन्हें नए ज्ञान की जरूरत है। उन्होंने कहा हमें इकोनॉमिक पॉलिसी बनाने में बड़े बदलाव की जरूरत है, लेकिन मोदी सरकार के पास आइडिया खत्म हो गए हैं। अब तो सरकार के समर्थक भी सार्वजनिक रूप से अपनी चिंताएं जाहिर करने लगे हैं। जयराम रमेश ने एक बयान में कहा कि देश में महंगाई का अनुमान बढ़ गया है और विकास



का अनुमान में गिरावट आई है। विदेशी निवेश (स्रष्टु) लगातार कम हो रहा है। सप्लाई चेन का प्रबंधन इतना खराब है कि प्रधानमंत्री खुद उपभोक्ताओं से अपनी खपत कम करने की अपील कर रहे हैं। कांग्रेस लंबे समय से निवेश के खराब माहौल पर आवाज उठा रही है। कांग्रेस नेता के अनुसार, निजी निवेश बढ़ाए बिना आर्थिक विकास को तेज नहीं किया जा सकता। निजी निवेश इसलिए नहीं बढ़ रहा क्योंकि लोगों की वास्तविक मजदूरी स्थिर है। इससे बाजार में सामान की मांग कम हो गई है। जब मांग ही नहीं होगी, तो कंपनियों के पास निवेश करने का कोई कारण नहीं बचेगा। उन्होंने यह भी कहा कि टैक्स नोटिस, छापेमारी और जांच एजेंसियों के डर की वजह से निवेशकों में अनिश्चितता का माहौल है। चीन से होने वाले भारी

आयात की वजह से स्थानीय सामान की मांग खत्म हो रही है। जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री के करीबी दोस्तों को फायदा पहुंचाने के लिए व्यापार का केंद्रीकरण किया जा रहा है। इस क्रोनीज्म का सबसे चमकदार उदाहरण मोदानी है। कॉरपोरेट जगत के पास स्वतंत्र रूप से निवेश करने और उससे जुड़े जोखिम उठाने का बहुत कम इंसेंटिव बचा है, क्योंकि मुनाफा मोदी सरकार के %चंदा लो, धंधा दो% काउंटर पर भुगतान करके भी आसानी से कमाया जा सकता है। कॉरपोरेट टैक्स की दरें सबसे कम हैं और कंपनियों को कमाई रिकॉर्ड स्तर पर है। शेयर बाजार भी ऊपर दिख रहा है, लेकिन जमीन पर निवेश गायब है। जो लोग निवेश कर सकते हैं, वे विदेशों का रुख कर रहे हैं। निवेश की बड़ी-बड़ी घोषणाएं तो होती हैं, लेकिन वे असल में कितनी पूरी होती हैं, यह एक बड़ा सवाल है। रमेश ने तंज कसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री इटली की प्रधानमंत्री को टॉफी बांटने और आत्म-महिमा मंडन में व्यस्त हैं, जबकि देश की आर्थिक स्थिति बिगड़ रही है।

## केंद्रीय मंत्री ने कहा रुपये की कमजोरी पर सरकार की नजर, अमेरिका से व्यापार वार्ता अगले माहीने

पीयूष गोयल ने कहा कि डॉलर के मुकाबले रुपये के 96 तक गिरने पर सरकार लगातार स्थिति पर नजर रखे हुए है। उन्होंने भरोसा जताया कि भारत वैश्विक चुनौतियों से उबरकर मजबूत बनेगा। साथ ही, अगले महीने भारत-अमेरिका व्यापार वार्ता होने की जानकारी दी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये के 96 के स्तर तक कमजोर होने पर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने आज कहा कि सरकार पूरी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। उन्होंने बताया कि सरकार के सभी विभाग मिलकर टीम की तरह काम कर रहे हैं और कई आर्थिक कदमों पर विचार किया जा रहा है। गोयल ने भरोसा जताया कि भारत इस कठिन दौर से भी विजेता बनकर



बाहर निकलेगा। गोयल ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि अमेरिका के मुख्य वार्ताकार अगले महीने भारत दौर पर आएंगे। इस दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार और आर्थिक मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि भारत लगातार वैश्विक मंच पर अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। दुनिया भारत की आर्थिक क्षमता को गंभीरता से देख रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संयुक्त राष्ट्र की संस्था फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन

(एफएओ) के सर्वोच्च सम्मान %एग्रीकोला मेडल% से सम्मानित किए जाने पर गोयल ने खुशी जताई। उन्होंने कहा कि भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है और देश का भविष्य बेहद उज्ज्वल है। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि भारत के पास अपनी क्षमता है। हर भारतीय में इतनी ताकत है कि मौजूदा वैश्विक चुनौतियों के बावजूद देश के लोगों में किसी तरह का डर या कमजोरी नहीं है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने स्वीकार किया कि वैश्विक हालात चुनौतीपूर्ण हैं, लेकिन भारत के पास मजबूत इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास है। उन्होंने दोहराया कि भारत इन चुनौतियों से पार पाकर विजेता बनकर उभरेगा।

## सांसद रामजी लाल सुमन की टिप्पणी गलत थी। सपा प्रवक्ता राजकुमार भाटी के बयान पर क्या कार्रवाई हुई, यह भी स्पष्ट होना चाहिए। भाटी ने अपने बयान से सवर्ण समाज का खुलेआम अपमान किया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राणा सांगा, भगवान परशुराम, अहिल्याबाई होल्कर और महर्षि वाल्मीकि जैसे महापुरुषों ने सनातन संस्कृति को जन-जन तक पहुंचाया है। ईंधन बचाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान को लेकर प्रो. बघेल ने कहा कि देशवासियों को इसका अर्थ समझना चाहिए। देश को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाएगा। केंद्रीय मंत्री प्रो. बघेल भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल के बड़े भाई श्रीराम पाल के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने उनके बर्तन स्थित आवास पर पहुंचे थे।

सांसद रामजी लाल सुमन की टिप्पणी गलत थी। सपा प्रवक्ता राजकुमार भाटी के बयान पर क्या कार्रवाई हुई, यह भी स्पष्ट होना चाहिए। भाटी ने अपने बयान से सवर्ण समाज का खुलेआम अपमान किया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राणा सांगा, भगवान परशुराम, अहिल्याबाई होल्कर और महर्षि वाल्मीकि जैसे महापुरुषों ने सनातन संस्कृति को जन-जन तक पहुंचाया है। ईंधन बचाने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान को लेकर प्रो. बघेल ने कहा कि देशवासियों को इसका अर्थ समझना चाहिए। देश को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाएगा। केंद्रीय मंत्री प्रो. बघेल भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल के बड़े भाई श्रीराम पाल के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त करने उनके बर्तन स्थित आवास पर पहुंचे थे।

संपादकीय Editorial

What universe does Trump live in? Prime Minister Modi warned from a forum in the Netherlands that this has become a decade of disasters. If the situation in the West Asian war doesn't change and the war doesn't stop, decades of achievements will be undone. A large part of the world's population will once again be trapped in poverty. Singapore's Prime Minister Lawrence Wong has also said that the energy crisis will worsen to the point where a global economic depression could begin. The Strait of Hormuz doesn't seem to be opening, but rather, tensions at sea will escalate. The war will continue, so we must be prepared for and confront these situations. Developed countries like Germany, France, Britain, and Italy have their own concerns, as their oil and gas supply chains have been severely affected. Who knows what universe does US President Trump live in? What a self-obsessed, imperialist, aggressive, occupier president he is, who has no concern for the world and zero concern for it. Trump returned from his China trip empty-handed, unsuccessful, without a deal, without a resolution to the Iran war, and after hearing Chinese President Xi Jinping's "war-like" warning about Taiwan, he has now begun strategizing a new offensive against Iran. Inflation has soared in his own country, the United States. Petrol and diesel prices have risen by 44-48 percent, despite the US itself being an oil-producing and exporting nation. There is global outcry. Countries like Japan have had to open their oil reserves to maintain domestic supply. Crude oil prices have skyrocketed to \$108 per barrel. Crude oil has become more expensive by an average of 51 percent. Urea and ammonia have become more expensive by 65 percent, and butane (hydrocarbon gas) by more than 51 percent. This is not a temporary setback or a normal situation. A United Nations agency estimates that the Iran war could lead to starvation for 45 million people worldwide. Does Trump not even realize these circumstances? Does he want to prove himself a world-conquering aggressor? Thanks to President Trump, reports have appeared in media outlets like the New York Times that Trump is orchestrating a military strategy to seize Iran's nuclear program and enriched uranium (about 450 kg). What kind of diplomacy is this? In the previous wars, the US couldn't even detect a trace of Iran's nuclear program, and now Russia and China are providing equal support. President Trump visited China, but there is such intense distrust and suspicion toward China that the gifts he received were thrown into a trash bin at the airport and destroyed. Suspensions of hacking and espionage equipment...! China hasn't discussed anything concrete on semiconductor chips, rare minerals, Boeing aircraft, electric vehicles, mutual trade agreements, or anything else, let alone a compromise. President Trump lives in his own universe, boasting that his China visit was a great success. The reality is that Trump returned empty-handed from China, and therefore, in anger and frustration, he is talking about a new attack on Iran. Pentagon commanders have been given unofficial orders to prepare for war. The reality is that Iran, with the support of China and Russia, remains firmly on the war front and is issuing warnings of retaliation. Strong public reactions are already emerging in India. On Saturday, gig workers in various parts of the country held a symbolic strike from 12 noon to 5 pm. The number of gig workers nationwide is estimated to exceed 12 million. Cab services, trucking, and other services have also indicated strikes. In our country, oil companies have raised petrol and diesel prices by ₹3 each after 2022, causing an uproar. Experts believe that only when these prices increase by ₹20-30 will oil companies recover their losses.

## Seven Jugalbandhis in Indian Politics: Their Profound Impact on the Country's Geographic, Economic, and Social Conditions

Since independence, the country has seen seven political coups that have impacted the nation's geographic, economic, and social conditions. Their tenures have had a profound impact on people's lives. On August 6, 2019, I was having coffee with some colleagues at the Indian Institute of Science in Bengaluru. We were discussing the abrogation of Article 370 in Kashmir the previous day. A young computer scientist remarked, "Now we are faced with Shah 1.0, not Modi 2.0." This comment came about because Home Minister Amit Shah had planned and implemented the abolition of the special status of India's only Muslim-majority state. Perhaps it's an exaggeration to call it "Shah 1.0," but there's no doubt now that Amit Shah is the most powerful person in the government after the Prime Minister, and the only minister with real authority and the ability to make independent decisions. This political alliance between Modi and Shah isn't unique in Indian politics. The partnership between Jawaharlal Nehru and Vallabhbhai Patel in the early years of independent India is a prime example. Today's politics portrays them as rivals and adversaries, whereas in reality, they were friends, allies, and co-workers. If the creation of a united and democratic India was possible amidst the tragedy, deprivation, conflict, and social divisions of Partition is largely due to the alliance between Nehru and Patel. Patel played a key role in unifying India geographically—he merged the princely states, modernized the administrative system, controlled the extremist elements of the Hindu right and communist left, and created an environment supportive of the constitution-making process, led by Dr. Bhimrao Ambedkar. Nehru, on the other hand, worked to unite India emotionally. He advocated equal rights for religious and linguistic minorities and women, and strongly supported universal adult suffrage despite strong elite opposition. Nehru and Patel certainly had their differences, but they overcame them to prioritize national interest. It is also true that they enjoyed the support of talented ministers and capable bureaucrats like Ambedkar. Nevertheless, historians have convincingly demonstrated that their partnership played a decisive role in shaping a fragmented India into a unified nation. After Patel's death in December 1950 and Ambedkar's resignation the following year, Nehru became the most influential leader in the cabinet, a position perhaps not entirely beneficial. The next major "duo" in Indian politics emerged in the late 1960s, when Prime Minister Indira Gandhi appointed former diplomat P.N. Haksar as her Principal Secretary. Haksar soon became more influential than any of Indira Gandhi's ministers. Between 1970 and 1975, he was her most trusted aide and key advisor. He played a key role in planning Indira Gandhi's greatest political success, the Bangladesh Liberation War. He also contributed to the promotion of high-quality scientific development in crucial sectors such as agriculture and space. However, this also had a downside. Haksar was instrumental in formulating Indira Gandhi's economic policies based on centralization and government control, which ultimately harmed the country. In 1975, P.N. Haksar was sidelined and replaced by Prime Minister Indira Gandhi's son, Sanjay Gandhi. This partnership between Indira Gandhi and Sanjay Gandhi was responsible for leading the country towards authoritarianism. The suppression of civil liberties, censorship of the press, control of the judiciary, subjugation of the bureaucracy and police by a mother-son duo, and the imprisonment of all political opponents—all these were characteristic of that era, and unlike the Indira Gandhi-Haksar partnership, this alliance had no positive aspects. The next important partnership that emerged in government was that of P.V. Narasimha Rao and Manmohan Singh. As Prime Minister and Finance Minister between 1991 and 1996, they played a key role in freeing the country from the license-permit-quota raj. The economic reforms they initiated paved the way for three decades of steady economic growth, reducing poverty, leading to the emergence of a large middle class, and enhancing India's global standing. This was followed by the partnership between Atal Bihari Vajpayee and Advani. Together, they established the BJP as the main national rival to the Congress in the 1980s and 1990s. When the BJP was in power between 1998 and 2004, Vajpayee served as Prime Minister and Advani as Home Minister. They continued the economic liberalization initiated by Rao and Manmohan Singh, with the help of capable ministers like Yashwant Sinha and Jaswant Singh. Because their government was based on a multi-party coalition, the majoritarian tendencies of the Sangh Parivar were not given the opportunity to fully operate. In 2004, the BJP was unexpectedly voted out of power. For the next ten years, the country was ruled by a Congress-led multi-party coalition. Once again, two individuals held the most power: Prime Minister Manmohan Singh and Congress President Sonia Gandhi. Under Manmohan Singh's leadership, the country's economic progress remained impressive. While significant efforts were made to build a social security system for the poor under the guidance of Sonia Gandhi and her National Advisory Council, the achievements of this partnership were overshadowed by who held the keys to power. Power should have rested with the Prime Minister, but Manmohan Singh, a naturally reserved and risk-averse leader, allowed Sonia Gandhi to interfere excessively even in matters that should have been his domain, such as education policy. The Modi-Shah alliance has slowed economic progress. Furthermore, their tenure has seen a sustained attack on the Indian tradition of social and cultural pluralism. However, I refrain from assigning marks or ranking the seven alliances mentioned in this article. Nevertheless, I consider the Nehru-Patel alliance to be superior and constructive. I do not see the Indira Gandhi-Sanjay Gandhi and Narendra Modi-Amit Shah alliances as serving the nation's interests.

## Petrol is not a grocery item; buy as much as you can.

People generally think of petroleum products as limited to petrol and diesel, but crude oil is processed in refineries into a variety of important products. The issue of petroleum conservation and frugality is not merely a temporary challenge arising from the current West Asian crisis, but rather one of the greatest global economic and environmental concerns of the future. Hydrocarbon-based fuels are limited natural resources available on Earth, and their reserves are bound to be depleted one day. This is why governments around the world have periodically appealed for energy conservation and fuel savings. In India, Prime Minister Narendra Modi has announced several government measures urging fuel conservation amid the recent global crisis. Additionally, petrol and diesel prices have been increased for the first time in four years. However, government announcements alone cannot provide a lasting solution to this crisis unless society itself understands that petrol and diesel are not grocery items that can be purchased and consumed in whatever quantity one desires based on financial strength. Petrol and petroleum products - People generally think of petroleum products as limited to petrol and diesel, but crude oil is processed in refineries into a variety of important products. These include petrol, diesel, cooking gas, kerosene, aviation fuel, engine oil, bitumen, paraffin wax, plastics, fertilizers, synthetic rubber, and numerous petrochemical products. Almost the entire infrastructure of the modern economy is based on these products. Without them, transportation, industry, road construction, pharmaceuticals, agricultural production, and even domestic life can come to a standstill. This is why, when crude oil prices rose sharply in the international market due to increased tensions in West Asia since February 2026, it directly impacted major importing countries like India. Under this pressure, the prices of petrol and diesel in the country had to be increased by an average of Rs 3 per liter on May 15, 2026. The real problem is a mindset - the real problem is not just the price increase, but the mindset that considers fuel a commodity of unlimited consumption. An influential and affluent segment of society wastes the most on oil, while the entire society bears the economic burden in the form of inflation. It is important to understand that petroleum resources are limited, and their import costs the country a significant amount of foreign exchange. India purchases approximately 85 percent of its crude oil needs from abroad, expending billions of dollars in foreign exchange annually. This wealth is not the private property of any individual, but rather the collective economic capital of the country, earned through the hard work of exporters, laborers, and Indians working abroad. Despite this, the perception has become increasingly strong in society that if a person is paying for it, he or she has the right to consume as much petrol or diesel as he or she desires. This thinking is the most dangerous. To show off their financial status, a certain segment displays large luxury cars, many of which only travel four or five kilometers on a liter of fuel. Even for minor needs, heavy vehicles are used on the roads. In many families, members of the same household travel a distance of a few hundred meters in separate vehicles. This is not just personal extravagance, but a waste of national resources. Fuel wastage in the government system - This trend is no less prevalent in the government system. Fuel wastage, under the guise of government positions and privileges, has long been a serious problem. The personal use of government vehicles, the misuse of vehicles by the family members of officials and politicians, and the culture of unnecessary convoys raise serious questions about the country's energy policy. If ordinary citizens are expected to save fuel, the ruling and administrative systems must first set an example. Heavy pressure on government revenue - During times of global crisis, governments are forced to reduce taxes on petroleum products to provide relief to the public. Central and state governments try to control prices by reducing excise duty and VAT. This puts a heavy strain on government revenue. Furthermore, oil marketing companies suffer long-term losses. Public sector companies like Indian Oil, Bharat Petroleum, and Hindustan Petroleum suffer significant under-recoveries when they purchase expensive crude oil and sell it at controlled prices in the domestic market. Ultimately, to save these companies, the government has to allocate thousands of crores of rupees from the budget. This money doesn't come from any single segment, but is collected from contributions from every taxpayer in the country. Ironically, even those who don't own personal vehicles indirectly bear the burden of the rich class's fuel waste. Fuel wastage is not only an economic problem but also an environmental injustice. Smoke and carbon emissions from large vehicles have the greatest impact on the health of vulnerable sections of society. The affluent class, seated in air-conditioned vehicles, is relatively protected from pollution, while roadside laborers, street vendors, pedestrians, and poor families are forced to breathe toxic air. This situation further deepens social inequality. In sensitive Himalayan states like Uttarakhand and Himachal, tourism and unnecessary vehicle congestion during travel is putting additional pressure on the environment. Rising carbon emissions in mountainous regions are also accelerating the melting of glaciers and climate change. Stopping the tendency to consider it a personal right: The current global crisis clearly indicates that energy security is poised to become the biggest national challenge in the future. If society doesn't adopt the habit of judicious fuel use today, the crisis could become even more severe in the future. Therefore, the need is not merely to increase prices or make government appeals, but to develop social consciousness. Carpooling, using public transport, reducing unnecessary travel, and moving toward alternative energy

# शाहबाद में दंपति की गोली लगने से गई जान...बर्तन कारोबारी की डायरी से खुलेगा मौत का राज !

रामपुर में डबल मर्डर से सनसनी, कारोबारी दंपती के गोली लगे शव मिले, पुलिस और फॉरेंसिक टीम कर रही जांच

शाहबाद के मुख्य बाजार में बर्तन व्यापारी और उनकी पत्नी के गोली लगे शव छत पर मिलने से सनसनी फैल गई। मौके पर 315 बोर की रायफल और स्टील का डंडा मिला है। पुलिस और फॉरेंसिक टीम मामले की जांच में जुटी है। शाहबाद के मुख्य बाजार में बर्तन व्यापारी सुनील रस्तोगी और उनकी पत्नी नेहा रस्तोगी के गोली लगे शव मकान की दूसरी मंजिल की छत पर पड़े मिलने से सनसनी फैल गई। बुधवार को करीब साढ़े सात बजे फायरिंग की आवाज सुनकर बेटा पीयूष रस्तोगी, बेटा कृषि रस्तोगी और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो दंपती रक्तर्जित हालत में मृत पड़े मिले। घटनास्थल पर 315 बोर की रायफल और स्टील का डंडा भी पड़ा मिला। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर भारी भीड़ जुट गई। परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल है। एस।ओ. देवकीनंदन और कोतवाल प्रदीप कुमार पुलिस फोर्स के साथ मौके पर



पहुंच गए। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। बाद में फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। पुलिस घटना के हर पहलू की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल घटना की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। मामले की जांच की जा रही है। दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। शाहबाद में बर्तन कारोबारी सुनील रस्तोगी (50) अपनी पत्नी नेहा रस्तोगी (47) की

गुरुवार को गोली लगने से मौत हो गई। उनके पास लाइसेंस राइफल पड़ी मिली, पुलिस मामले को आत्महत्या मानकर चल रही है। पुलिस को कारोबारी के अवसाद में रहने की बात एक किताब में लिखी है। मामले में पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीना ने आत्महत्या से जुड़ा मामला बताया है, हालांकि पुलिस मामले को कई बिन्दु से जोड़कर जांच कर रही है। सुबह लाश मिली तो मचा हड़कंप-परिवार में उनकी बेटे पीयूष

रस्तोगी (20) और बेटा कृषि (18) के साथ रहते हैं। उनके घर में ही बर्तन की दुकान है। बेटा कृषि ने बताया कि बुधवार रात को सभी लोगों ने एकसाथ खाना खाया और मम्मी-पापा पहली मंजिल पर सोने चले गए। मम्मी-पापा पहली मंजिल पर सो रहे थे। वो और भाई ग्रांड फ्लोर पर अलग-अलग कमरों में थे। सुबह करीब 7-40 बजे गोली चलने की आवाज सुनाई दी। वो भागकर पहली मंजिल पर पहुंचे। देखा कि कमरे में

कोई नहीं था। छत पर गए तो वहां पर मम्मी-पापा के शव खून से लथपथ पड़े हुए थे। पापा की गर्दन के ठीक नीचे गोली लगी थी, जबकि मम्मी को गोली गर्दन के बगल में लगी थी। डायरी से खुलेगा मौत का राज-चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। सीओ शाहबाद देवकीनंदन और थाना प्रभारी प्रदीप कुमार भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे

और फॉरेंसिक टीम ने राइफल और अन्य स्थानों पर फिंगर प्रिंट लिए हैं। हालांकि मामले का तुरंत संज्ञान लेते हुए पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीना ने बताया कि दंपति की राइफल लाइसेंस है और प्रथम दृष्टया आत्महत्या का मामला लग रहा है। उनके कमरे से एक सुसाइड से जुड़ी डायरी मिली है, जिसमें कारोबारी ने अवसाद की बात लिखी है। उन्होंने बताया कि मामले की हर पहलू पर बारीकी से जांच की जा रही है।

## संक्षिप्त समाचार

### रीलबाज बुलट रानी ने पहना दुल्हन का लिबास, फिर बिना हेलमेट सड़क पर दौड़ाई बाइक

सोशल मीडिया का नशा युवा पीढ़ी पर सिर चढ़कर बोल रहा है। वीडियो और रील वायरल करने, लाइक और कमेंट पाने की होड़ में नियमों को तोड़कर वीडियो बनाने में पीछे नहीं रहते। ऐसा ही कुछ मुरादाबाद में भी हुआ है। जहां मुरादाबाद से होकर गुजर रहे हाईवे पर युवती दुल्हन के लिबास में बुलट बाइक दौड़ाते हुए रील वायरल हुई है। रील वायरल होने के बाद पुलिस युवती को पहचान करने में जुट गई है। बुलट रानी को ढूंढ रही पुलिस पिछले दिनों सोशल मीडिया पर युवती लाल रंग का लहंगा पहने हुए हाईवे पर बाइक दौड़ा रही है। इस दौरान बाइक को कई बार लहराते हुए चलाती है, जबकि उसने हेलमेट भी नहीं लगा रखा है। युवती ने इस वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट से इंटरनेट मीडिया पर अपलोड किया है। वीडियो वायरल होने के साथ ही मामला पुलिस तक पहुंच गया। अब यातायात पुलिस वीडियो में दिखाई दे रही बुलट बाइक के नंबर के आधार पर युवती की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। एसपी ट्रैफिक सुभाष चंद्र गंगवार का कहना है कि युवती की पहचान की जा रही है। पहचान होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। पहले भी आ चुके हैं कई मामले-इस प्रकार से हाईवे पर नियमों को तोड़ते हुए वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने के कई मामले सामने आ चुके हैं। पिछले दिनों युवक का चलती कार के बोनट पर बैठकर वीडियो वायरल हुआ था, जिसके बाद पुलिस ने उसका चालान काटा था। वहीं पाकबड़ा क्षेत्र से वायरल हुए वीडियो में कार की खिड़की खोलकर चारों ओर खड़े होकर कार दौड़ाते हुए युवक का वीडियो वायरल होने पर कार्रवाई हुई थी तो एक युवक का पालथी मार बैठकर बाइक चलाने का।



# मुरादाबाद में रील बनाते समय रामगंगा में डूबा युवक, बचाने गए दोस्त की हुई मौत

मुरादाबाद में रील बनाने के दौरान रामगंगा नदी में दो युवक डूब गए। एक युवक रील बनाते समय गहरे पानी में चला गया, और उसे बचाने गए दोस्त की भी जान चली गई। रील बनाते समय युवक रामगंगा नदी में डूबा। दोस्त बचाने गया, वह भी गहरे पानी में डूबा। गोताखोरों ने दोनों शवों को नदी से निकाला। रील के शौक में दो युवा असमय काल की गर्त में समा गए। साथी दोस्त जब तब उन्हें बचाते, तब तक देर हो चुकी थी। स्थिति यह हुई कि डूबे एक दोस्त को बचाने को आगे आए साथी की भी जान चली गई। जिन पलों को मोबाइल में कैद करने की जद्दोजहद थी, वह भी



डूब गया। अफरा-तफरी मच गई। मृतकों में शमी घर का इकलौता था जबकि उसका साथी शुएब भाई की सगाई के चलते तीन दिन पहले केरल से

घर लौटा था। कुंदरकी के मुहल्ला लाइनपार निवासी रिजवान का बेटा शुएब केरल में सैलून की दुकान चलाता था। घरवालों के अनुसार, मंगलवार को बड़े भाई

सलमान की सगाई थी। भाई की सगाई में शामिल होने के लिए ही शुएब तीन दिन पहले घर आया था। बुधवार को दोपहर करीब तीन बजे शुएब

मुहल्ले के ही दोस्त शमी और अन्य चार दोस्तों के साथ दो बाइकों पर सवार होकर गांव अहमद नगर जैतबाड़ा स्थित रामगंगा में नहाने के लिए निकले। पुलिस के अनुसार, शुएब को रील बनाने का शौक था। नहाते समय शुएब रील बनाने लगा। इसी बीच वह गहरे पानी में चला गया। वह डूबने लगा। तब बचाने के लिए दोस्तों को आवाज देनी शुरू की। दोस्तों ने जब शुएब की स्थिति देखी तो वह भी बचाने को आगे आए। इसमें शमी तुरंत रामगंगा में कूदा और उसकी ओर आगे बढ़ा। मगर, देखते ही देखते शमी भी डूबता चला गया। दोनों डूब गए। इससे चारों दोस्त घबरा गए। आस-पास के लोगों ने

भी देखा तो शोर मचा दिया। भीड़ एकत्र हो गई। पुलिस को जानकारी दी गई। अफरा-तफरी मच गई। गोताखोर बुलाए गए। सर्च ऑपरेशन शुरू हुआ। करीब एक घंटे की तलाश के बाद गोताखोरों ने शाम करीब छह बजे दोनों को बाहर निकाल लिया। दोनों को कुंदरकी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि दो युवक रामगंगा में नहाते समय डूब गए थे। जब तक उन्हें बाहर निकाला गया, तब तक उनकी जान जा चुकी थी। साथ पहुंचे अन्य चारों दोस्तों के बारे में जानकारी की जा रही है।

## मुरादाबाद में तेंदुए के हमले से मां-बेटी सहित तीन घायल, चारा काटते समय क्रिया था अटैक

मुरादाबाद में तेंदुओं और इंसानों के बीच संघर्ष बढ़ गया है। बुधवार को चारा काट रही मां-बेटी और खेत से लौट रहे एक किसान पर तेंदुए ने हमला किया, जिसमें तीनों घायल हो गए, हालांकि उन्होंने साहस से तेंदुए को भगा दिया। वन विभाग अब तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरे लगा रहा है और ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी है। मुरादाबाद में तेंदुए ने मां-बेटी और किसान पर हमला किया। तीनों ने साहस दिखाते हुए तेंदुए को भगाया, हुए घायल। वन विभाग ने पिंजरे लगाने और ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी। मुरादाबाद में तेंदुए ने मां-बेटी और किसान पर हमला किया। तीनों ने साहस दिखाते हुए तेंदुए को भगाया, हुए घायल। वन विभाग ने पिंजरे लगाने और ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी। मनीष का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार हुआ। वन विभाग के रेंजर गिरीश चंद्र श्रीवास्तव ने टीम के साथ दोनों घटनास्थल का दौरा किया। रेंजर ने बताया कि तेंदुए ने तीन लोगों पर हमला किया है। यह गंभीर मामला है। उन्होंने ग्रामीणों को अकेले खेतों पर न जाने व बच्चों को सुरक्षित रखने की सलाह दी है। तेंदुए को पकड़ने के लिए क्षेत्र में पिंजरे लगाए जा रहे हैं।



# रामरहीम कोठी विवाद वन विभाग ने शासन से मांगी पांच राइफल और तीन पिस्टल

रामपुर। रामरहीम कोठी निवासी विधवा नगमा ने सीओ और एक दरोगा पर अपराधी से मिलीभगत कर उनकी कोठी पर कब्जा कराने का आरोप लगाया था। महिला ने एडीजी बरेली जोन से शिकायत की थी। एडीजी के आदेश के बाद एसपी इस मामले की जांच कर रहे थे। बुधवार को एसपी ने दरोगा गौरव बालियान को लाइन हाजिर कर दिया। एडीजी बरेली जोन को दिए गए शिकायत पत्र में नगमा ने आरोप लगाया था कि उनके मकान के पूर्व किरायेदार ने उन्हें गुमराह कर धोखाधड़ी से रजिस्ट्री अपने नाम करा ली। बाद में सिविल कोर्ट ने रजिस्ट्री रद्द कर उन्हें मकान में कब्जा दिला दिया। प्रार्थनी का आरोप है कि 11 मई 2026 को थाना पुलिस और एक पुलिस अधिकारी ने कथित तौर पर रिश्तत लेकर किरायेदार को मकान में तोड़फोड़ करने में मदद की। इस दौरान घर से चोरी भी की गई। नगमा के अनुसार डीआईजी मुरादाबाद के आदेश पर इस मामले में केस दर्ज हुआ था, लेकिन अब स्थानीय पुलिस की ओर से उन्हें धमकी मिल रही है। एसपी सोमेंद्र मीना ने बताया कि एडीजी कार्यालय से एक शिकायती पत्र प्राप्त हुआ था। इस मामले में दरोगा गौरव बालियान को लाइन हाजिर किया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

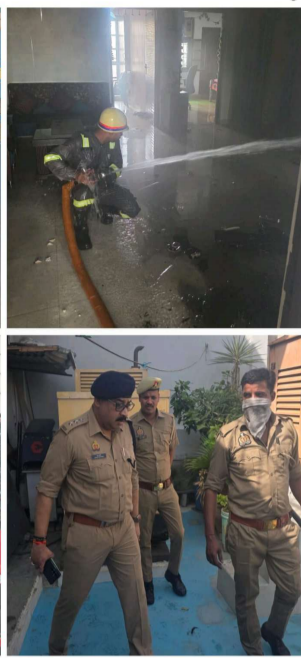
रामपुर। जिले के पिपली वन सहित कई वन क्षेत्रों में वन माफिया का आतंक बना हुआ है। आए दिन वन कर्मियों के साथ फायरिंग की घटनाएं सामने आ रही हैं। वन विभाग के पास सुरक्षा के लिए पर्याप्त आधुनिक हथियार नहीं हैं। इसे देखते हुए डीएफओ ने शासन को पत्र भेजकर पांच राइफल, तीन पिस्टल और 15 वायरलेस सेट उपलब्ध कराने की मांग की है। विभाग को तीन वायरलेस सेट और कैमरे मिल चुके हैं। जिले में पिछले एक वर्ष में वन कर्मियों और तस्करों के बीच 15 से अधिक बार मुठभेड़ हो चुकी है। स्वार और उत्तराखंड सीमा से लगे वन क्षेत्रों में वन तस्करों की घटनाएं भी लगातार सामने आ रही हैं। आधुनिक उपकरणों की कमी के कारण कई बार वन कर्मियों को मुठभेड़ के दौरान पीछे हटना पड़ता है। अधिकांश मामलों में तस्कर वन कर्मियों पर हावी रहे हैं। इसे देखते हुए डीएफओ ने शासन को पत्र लिखकर आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराने की मांग की है। वन विभाग को तीन वायरलेस सेट और तीन बड़े कैमरे मिल चुके हैं। इनमें से एक कैमरा स्वार क्षेत्र में लगाया गया है, जिससे ऑनलाइन मॉनिटरिंग की जा रही है। डीएफओ प्रणव जैन ने बताया कि वन क्षेत्र की सुरक्षा मजबूत करने के लिए शासन से राइफल, पिस्टल और वायरलेस सेट की मांग भेजी गई है। विभाग को तीन वायरलेस सेट प्राप्त हो चुके हैं। इसके अलावा जंगल की निगरानी के लिए हार्डमास्ट कैमरे भी मिल गए हैं।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए  
9027776991  
knslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच  
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असाहतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001 (उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।  
संपादक - नरेश राज शर्मा  
मो. 9027776991  
RNI NO- UPBIL/2021/83001  
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।  
क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

## रेलवे स्टेशन रोड की कमर्शियल बिल्डिंग में लगी भीषण आग, फायर टीम ने समय रहते पाया काबू

क्यूं न लिखूं सच/ पंडित सत्यमशर्मा / बरेली। सिविल लाईन क्षेत्र स्थित रेलवे स्टेशन रोड पर उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक कमर्शियल बिल्डिंग के दूसरे तल पर अचानक आग लगने की सूचना मिली। घटना की जानकारी मिलते ही फायर स्टेशन सिविल लाईन की टीम महज कुछ ही मिनटों में मौके पर पहुंच गई और तेजी से राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। बताया जा रहा है कि 21 मई 2026 को दोपहर 2 बजकर 38 मिनट पर अग्निशमन केंद्र को सूचना प्राप्त हुई कि 167 ए, रेलवे स्टेशन रोड स्थित एक कमर्शियल बिल्डिंग में आग लगी हुई है। सूचना मिलते ही 2 बजकर 39 मिनट पर दो फायर यूनिट अग्निशमन अधिकारी के नेतृत्व में खाना कर दी गईं।



कि बिल्डिंग के द्वितीय तल पर बने कमरे में लगी एलईडी स्क्रीन में आग भड़क गई थी, जिससे पूरे फ्लोर पर घना धुआं फैल गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए फायरमैन को बीए सेट पहनाकर अंदर भेजा गया और मोटर फायर इंजन से दो होज पाइप लाइन फैलाकर आग बुझाने का अभियान शुरू किया

और केवल तीन मिनट में यानी 2 बजकर 42 मिनट पर टीम घटनास्थल पर पहुंच गई। मौके पर पहुंचने पर पता चला

## बेटे ने किया रिश्तों को शर्मसार बना बाप के खून का प्यासा, पीट-पीटकर उतारा मौत के घाट

क्यूं न लिखूं सच/ पंडित सत्यमशर्मा / बरेली। एक युवक पर शराब के नशे में ऐसा खून सवार हुआ कि बुजुर्ग बाप को ही पीट-पीटकर मार डाला। घटना के बाद से आरोपी युवक फरार है। फिलहाल पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।



घटना कैंट थाना इलाके के कांठरपुर गांव की है। बुजुर्ग काशीराम यहां अपने परिवार के साथ रहते थे। बुधवार देर रात काशीराम का बेटा घर में शराब पीकर आया। बाप से उसका किसी बात को लेकर विवाद

पीटना शुरू कर दिया। पिता को तब तक पीटता रहा जब तक अधमरा नहीं कर दिया। पिटाई के बाद काशीराम की हालत बुरी तरह बिगड़ गई। बेटे की पिटाई में गंभीर रूप से घायल काशीराम को घर वाले आनन-फानन में अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां उनका इलाज शुरू किया गया। मगर अस्पताल में काशीराम ने दम तोड़ दिया। परिजनों का कहना था कि समय से इलाज मिलता तो उनकी जान बच सकती थी। फिलहाल पुलिस फरार आरोपी की तलाश में दबिश दे रही है।

## तीन महीने से वेतन नहीं, अब होगी आर-पार की लड़ाई

## NHM संविदा कर्मचारियों ने किया कार्य बहिष्कार, स्वास्थ्य सेवाएं हुई प्रभावित

क्यूं न लिखूं सच/ पंडित सत्यमशर्मा / बरेली। जनपद बरेली में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM) के संविदा कर्मचारियों का गुस्सा आखिरकार सड़कों पर फूट पड़ा। 21 मई 2026 को जिले के सभी CHC, PHC और उपकेंद्रों पर कार्यरत NHM संविदा कर्मचारियों ने कार्य बहिष्कार कर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। 300 बेड हॉस्पिटल समेत कई स्वास्थ्य इकाइयों में कर्मचारियों ने काम ठप कर सरकार और विभाग के खिलाफ नाराजगी जाहिर की। कर्मचारियों का आरोप है कि पिछले दो महीनों से वेतन नहीं मिला है और अब तीसरा महीना भी शुरू हो चुका है। अल्प वेतन में काम करने वाले संविदा कर्मचारी आर्थिक तंगी और भुखमरी के कगार पर पहुंच चुके हैं। कर्मचारियों का कहना है कि बिना वेतन परिवार चलाना मुश्किल हो गया है और रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना भी भारी पड़ रहा है।



इसके बाद भी वेतन जारी नहीं हुआ तो 18 मई से 20 मई तक पूरे जिले में कर्मचारियों ने काला फीता बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने पहले ही चेतावनी दी थी कि यदि 20 मई तक वेतन नहीं मिला तो 21 मई को कार्य बहिष्कार किया जाएगा। उसी क्रम में गुरुवार को जिलेभर में हारू संविदा कर्मचारियों ने अपने-अपने कार्यस्थलों पर काम बंद कर विरोध दर्ज कराया।

प्रदर्शन में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष पुष्पेंद्र यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष अनुज मिश्रा, प्रदेश प्रवक्ता एवं मंडल अध्यक्ष मनोज कुमार, मंडल महामंत्री डॉ. अतुल शर्मा, संगठन मंत्री मुकेश कुमार, कार्य समिति सदस्य डॉ. जीए राही, जिला उपाध्यक्ष डॉ. मनमोहन सक्सेना, डॉ. पूनम अग्रवाल, अनुराग शर्मा, जिला प्रचार मंत्री अनुप कुमार, ब्लॉक लेखा प्रबंधक पूजा सहित बड़ी संख्या में कर्मचारी मौजूद रहे।

## फ्लाइओवर पर सीएनजी कैप्सूल लीक, मची अफरातफरी

क्यूं न लिखूं सच/ पंडित सत्यमशर्मा / बरेली। कैंट इलाके में लालफाटक फ्लाइओवर पर बृहस्पतिवार सुबह करीब सवा दस बजे सीएनजी कैप्सूल से भरे कैंटर में गैस रिसाव शुरू हो गया।

फ्लाइओवर पर तेज आवाज के साथ गैस निकलता देख राहगीरों और वाहन चालकों में अफरातफरी मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने यातायात रोक दिया, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। 20 मिनट बाद स्थिति नियंत्रित हुई। जानकारी के मुताबिक बदायूं जिले के कुंवरगांव थाने के गांव सिमोही निवासी कृपाल ने शाहजहांपुर के पिपरौला प्लांट से गाड़ी में सीएनजी लोड कराई थी। इसे लेकर वह बदायूं के हमीदी पेट्रोल पंप पर जा रहा था। फ्लाइओवर पर पहुंचते ही



चालक को गैस रिसाव का आभास हुआ। उसने सूझबूझ दिखाते हुए वाहन को किनारे खड़ा कर दिया और तुरंत पुलिस व संबंधित कंपनी को सूचना दी। इसके बाद कैंट थाने के इंस्पेक्टर क्राइम भारत सिंह टीम के साथ पहुंच गए। उन्होंने आसपास के लोगों को हटाया और यातायात डायवर्ट कर दिया। मौके पर पहुंची टीम ने काफी देर तक रिसाव रोकने का प्रयास किया। गैस का दबाव

कम होने के बाद स्थिति सामान्य हो सकी। घटना के दौरान लोग दहशत में फ्लाइओवर से दूर भागते नजर आए। राहत की बात रही कि कोई हादसा नहीं हुआ। पिछले दिनों भी लीक हुआ था कैप्सूल इससे पहले कैंट क्षेत्र में अक्षर विहार पार्क के पास भी सीएनजी कैप्सूल से गैस रिसाव की घटना हो चुकी है। उस समय भी पुलिस और तकनीकी टीम ने मौके पर पहुंचकर हालात संभाले थे।

## ड्राइवर और मालियों की भी जनगणना में लगी ड्यूटी, भड़के कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन



क्यूं न लिखूं सच/ पंडित सत्यमशर्मा / बरेली। नगर निगम के कम पढ़े लिखे या अशिक्षित कर्मचारियों की ड्यूटी जनगणना में लगाए जाने का मामला गुरुवार को तूल पकड़ गया। विरोध कर रहे कर्मचारियों ने नगर निगम कार्यालय परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। जिसके बाद इन कर्मचारियों को अपर नगर आयुक्त ने शांत कराकर आश्वासन दिया। ड्राइवर और मालियों की भी लगाई ड्यूटी- दरअसल नगर

निगम के अशिक्षित कर्मचारियों की ड्यूटी भी जनगणना में लगा दी गई थी। जिसमें सफाई कर्मचारी, ड्राइवर और माली समेत दूसरे कर्मचारी शामिल थे। इन कर्मचारियों को जनगणना की ड्यूटी करने में दिक्कत का सामना करना पड़ा रहा था। लिहाजा गुरुवार को आक्रोशित कर्मचारियों ने उत्तर प्रदेशीय सफाई मजदूर संघ के बैनर तले नगर निगम परिसर में ही धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। कर्मचारियों से मिले अपर नगर

आयुक्त नगर निगम कार्यालय परिसर में नारेबाजी शुरू हुई तो अधिकारियों के भी कान खड़े हो गए। अपर नगर आयुक्त, पर्यावरण अभियंता, मुख्य सफाई निरीक्षक ने मौके पर जाकर कर्मचारियों से बात की। कर्मचारियों उन्हें बताया कि जो कर्मचारी ज्यादा पढ़े लिखे भी नहीं हैं, उनकी ड्यूटी भी जनगणना में लगा दी गई है। कर्मचारियों को तमाम दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

## पीएम आवास योजना में बड़ा घपला, 2.72 करोड़ लेकर 136 लाभार्थी लापता

क्यूं न लिखूं सच/ पंडित सत्यमशर्मा / बरेली। मंडल के बदायूं जिले में सरकारी योजनाओं में अफसरान के फर्जीवाड़ों के किस्से तो सुने होंगे आपने। मगर तमाम जुगत लगाकर इन योजनाओं का फायदा लेने वाले आपात्र लाभार्थियों के झोल भी कम नहीं। इसकी एक बानगी बदायूं में देखने को मिली। जहां प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना का लाभ तो लिया गया, लेकिन मकान का निर्माण नहीं कराया। हैरानी की बात ये कि ऐसे लोगों के खिलाफ किसी कार्रवाई की पहल भी विभागीय अधिकारियों ने नहीं की है। 136 मामलों में गोलमाल की आशंका- दरअसल शहरी प्रधानमंत्री शहरी आवास योजना की दो किस्त लेकर 136 लोगों ने आवास का अभी तक निर्माण नहीं कराया है। इतना ही नहीं किस्त की धनराशि लेकर दर्शाए गए पते से भी गायब हो गए। जिसकी जानकारी डूडा विभाग के अधिकारियों को भी है। लेकिन विभाग द्वारा इनकी

खोजबीन नहीं की गई है। और न ही इन लोगों के खिलाफ धनराशि की रिकवरी करने की पहल हो सकी है। जिस पर विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों पर सवाल खड़े गए हैं। पहली और दूसरी किस्त लेकर गायब- सरकार की ओर से शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में निवास कर रहे गरीब तबके के लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिया जाता है। ग्रामीण क्षेत्र में पात्र लोगों को मकान बनाने के लिए 1.20 लाख और शहरी क्षेत्र में 2.50 लाख रुपए दिए जाते हैं। यह धनराशि पात्र लोगों को तीन किस्तों में दी जाती है। शहरी क्षेत्र में 136 ऐसे लाभार्थी हैं जिन्हें प्रथम और दूसरी किस्त के तहत दो लाख रुपए मिल चुके हैं। लेकिन लाभार्थियों के द्वारा आवास का निर्माण नहीं कराया। परियोजना अधिकारी बोली मकान नहीं बना है तो रिकवरी होगी डूडा की प्रभारी परियोजना अधिकारी अंजुम बी न बताया कि अभी कार्यभार ग्रहण किया है। मुझे इसकी अधिक जानकारी नहीं है। अपर

लाभार्थी पैसा लेकर बैठे हैं और उनके द्वारा मकान नहीं बनाया गया है तो उनसे रिकवरी होगी। डूडा विभाग के कर्मचारियों से मकान न बनाने वाले लोगों की सूची मांगी जाएगी। उसके बाद कार्रवाई होगी।

दैनिक अखबार क्यूं न लिखूं सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए  
9027776991  
knslive@gmail.com

## पांच साल की बच्ची से गैंगरेप, दोनों नाबालिग आरोपी

क्यूं न लिखूं सच/ पंडित सत्यमशर्मा / बरेली। बहेड़ी में पांच साल की मासूम बच्ची के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। वारदात को अंजाम देने वाले दोनों आरोपी भी नाबालिग हैं, जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक बहेड़ी कस्बे के मोहल्ले में अखंड रामायण का पाठ चल रहा था। वहां पांच वर्षीय बच्ची खेल रही थी। सुबह करीब नौ बजे मोहल्ले में रहने वाले दो लड़के बच्ची को बहलाकर खेत में ले गए और गैंगरेप किया। बच्ची को खून से लथपथ हालत में छोड़कर दोनों आरोपी वहां से फरार हो गए। किसी तरह बच्ची घर पहुंची और परिजन को घटना की जानकारी दी तो परिजन उसे लेकर थाना बहेड़ी पहुंचे। पुलिस ने बच्ची को उपचार के लिए भेजकर उसके पिता की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली। पुलिस के मुताबिक दोनों आरोपी भी नाबालिग हैं। उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। एक आरोपी की उम्र 15 साल और दूसरे की 16 साल बताई जा रही है। हालत गंभीर, जिला अस्पताल में भर्ती - इस हैवानियत के कारण मासूम बच्ची की हालत अत्यंत नाजुक हो गई। अत्यधिक रक्तस्राव होने की वजह से उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की देखरेख में उसका उपचार चल रहा है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

### संक्षिप्त समाचार

## बरेली में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी, तापमान 42 डिग्री के पार, लू का अलर्ट जारी

क्यूं न लिखूं सच/ पंडित सत्यमशर्मा / बरेली। भीषण गर्मी का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। गर्मी के तीखे तेवर से लोग बेहाल हैं। बृहस्पतिवार को सुबह 10 बजे से ही चिलचिलाती धूप खिल ग ई , जि स से लोग छंव तलाशाते दि खे । बु धवार क ो अधिकतम



तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के पास जा पहुंचा। चिलचिलाती धूप और गर्म हवा के थपेड़ों ने राहगीरों को झुलसाया। रात में भी लोगों को राहत नहीं मिली। मौसम विभाग ने लू का ऑरेंज अलर्ट जारी कर सप्ताहभर तक भीषण गर्मी पड़ने और पारा 43 डिग्री के पार पहुंचने का अनुमान जताया है। आज सुबह से ही चटक धूप और चल रही गर्म हवा ने लोगों को बेहाल कर दिया। दोपहर में सड़कें सूनी नजर आईं और बाजारों में भीड़ भी कम रही। दिहाड़ी मजदूरों, रिक्शा चालकों, बाहर काम करने वाले लोग पसीने से तरबतर रहे। गर्म हवा के थपेड़ों से लोग बार-बार पानी और शीतल पेय पदार्थों का सहारा लेते रहे। चौराहों और बाजारों में दोपहर में सन्नाटा पसरा रहा। शाम सात बजे के बाद हल्की राहत मिली। लू का अलर्ट जारी, बरतें सावधानी - अधिकतम तापमान सामान्य से चार डिग्री अधिक 41.6 डिग्री और न्यूनतम 26.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। हवा में नमी 45 फीसदी दर्ज हुई। मौसम विशेषज्ञ अतुल कुमार के मुताबिक, पश्चिमी विक्षोभ का असर खत्म होने और आसमान साफ होने से तापमान में बढ़ोतरी हुई है। फिलहाल तेज धूप और गर्म हवा का असर बना रह सकता है। लू का अलर्ट जारी किया गया है। लोगों को सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

## अब गांवों में मधुमक्खी पालन से होगी कमाई... सरकार दे रही फ्री हनी बॉक्स और टूल किट

क्यूं न लिखूं सच/ पंडित सत्यमशर्मा / बरेली। उत्तर प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड की हनी मिशन योजना के तहत बरेली जिले में बेरोजगार युवाओं और प्रशिक्षित व्यक्तियों को हनी बॉक्स और जरूरी टूल किट्स वितरित किए जाएंगे। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी मनोज कुमार गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के अंतर्गत सामान्य पिछड़ा वर्ग के उत्पाद विकास, मानकीकरण एवं गुणवत्ता विनिश्चय योजना यानी हनी मिशन के तहत लाभार्थियों का चयन किया जाएगा। इस योजना के तहत शहद उत्पादन कार्य में रुचि रखने वाले बेरोजगार और प्रशिक्षित लोगों को 5 दिवसीय गुणवत्तापरक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके बाद प्रत्येक चयनित व्यक्ति को 5-5 हनी बॉक्स और संबंधित टूल किट्स उपलब्ध कराई जाएंगी यह योजना केवल ग्रामीण क्षेत्रों के लिए लागू होगी। लाभार्थियों का चयन जिला स्तरीय समिति द्वारा स्कोर कार्ड के आधार पर किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन <https://upkvib.gov.in> पर जाकर कर सकते हैं। आवेदन के साथ आधार कार्ड, आयु प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, मोबाइल नंबर, राशन कार्ड संख्या या परिवार आईडी और प्रशिक्षण प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेज लगाना अनिवार्य होगा। पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र 10 जून 2026 शाम 5 बजे तक जिला ग्रामोद्योग कार्यालय बरेली में जमा किए जा सकेंगे। अधिक जानकारी के लिए कार्यालय के दूरभाष नंबर 0581-2567395 पर संपर्क किया जा सकता है।

# ‘कांग्रेस का घुसपैठियों को संरक्षण देना गद्दारी है’, पीयूष गोयल का राहुल के बयान पर पलटवार

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का घुसपैठियों को संरक्षण देना गद्दारी है। इसके साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पांच देशों की यात्राओं के परिणामों को गिनाया। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कांग्रेस नेता नरेंद्र मोदी की पांच देशों की यात्रा से देश में सभी को लाभ होगा। इसके ठोस एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए गोयल ने प्रधानमंत्री की यूएई, नॉर्वे, गिनाया। इसके साथ ही कहा कि मोदी भारत के हर वर्ग के लिए कुछ न कुछ रक्षा क्षेत्र को मजबूत करना हो या विदेशी निवेश को आकर्षित करना और निर्यात परिणाम प्राप्त हुए हैं। पूरी दुनिया पीएम मोदी पर विश्वास करती- उन्होंने आगे पुरस्कार भी दिए गए हैं। उन्होंने आगे कहा, एक तरफ तो पूरी दुनिया नकारात्मक मानसिकता वाले राहुल गांधी अपने शब्दों और भाषा के माध्यम से राहुल गांधी का प्रधानमंत्री पर बेहद घटिया भाषा में अपशब्दों का प्रयोग करना का कार्य है या कांग्रेस शासन के दौरान वर्षों तक नक्सलवाद को पनपने देना ही कहेंगे? क्या फिर, क्या हम इसे गद्दारी मानेंगे जब कोई व्यक्ति केवल भारत के रखते हुए मंत्री ने पूछा, क्या आतंकवाद की कमर तोड़ना, उसे मुंहतोड़ जवाब देना गद्दारी माना जाएगा या आतंकवादियों को बिरयानी खिलाना और उनसे समझौता करना गद्दारी समझा जाएगा? गोयल ने कहा कि पीएम मोदी ने देश को सुरक्षित रखा है, जो उनकी सच्ची देशभक्ति को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा, कांग्रेस पार्टी और गांधी परिवार जिस तरह से घुसपैठियों को संरक्षण प्रदान करते हैं, वह गद्दारी है। क्या है पूरा मामला? - दरअसल, राहुल गांधी ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के रायबरेली स्थित अपने लोकसभा क्षेत्र में एक कार्यक्रम में विभिन्न मुद्दों पर मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और आरएसएस पर हमला करते हुए उन्हें देशद्रोही कहा था। उन्होंने कहा, गालियां कमजोरों का हथियार हैं। स्पष्ट रूप से, देश अब राहुल गांधी और गांधी परिवार की कमजोरियों के साथ-साथ कांग्रेस पार्टी की विफलताओं को भी देख रहा है। उन्होंने आगे कहा कि देश के लोग यह भी देख रहे हैं कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है और इसकी वैश्विक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि हुई है।



राहुल गांधी की कड़ी आलोचन की। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री परिणाम प्राप्त हुए हैं। यात्राओं के परिणामों को गिनाया- यहां भाजपा मुख्यालय में स्वीडन, नीदरलैंड और इटली की हाल ही में संपन्न हुई यात्राओं के परिणामों को लेकर लौटे हैं। गोयल ने कहा कि चाहे देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करना हो, बढ़ाना हो, प्रधानमंत्री की विदेश यात्रा से विभिन्न क्षेत्रों के लाभ के लिए बड़े बताया कि अपने पांच दिवसीय विदेश दौरे के दौरान प्रधानमंत्री को तीन अंतरराष्ट्रीय प्रधानमंत्री मोदी को अपार विश्वास की नजरों से देखती है। वहीं दूसरी तरफ बार-बार अपना असली स्वभाव और चरित्र प्रकट करते हैं। गोयल ने कहा कि वास्तव में निंदनीय है। उन्होंने पूछा, मुझे बताइए, क्या नक्सलवाद का अंत गद्दारी असली गद्दारी थी? क्या हम तिरंगे की वैश्विक प्रतिष्ठा बढ़ाने के कार्य को गद्दारी तिरंगे का अपमान करने के लिए विदेश यात्रा करता है? इसी क्रम को जारी

# राजधानी में बिजली संकट का सड़क पर दिखा गुस्सा, उपकेन्द्र पर पथराव-हंगामा; हाईवे जाम, पानी को तरसे

लखनऊ में लगातार बिजली कटौती और फॉल्ट से परेशान लोगों का गुस्सा सड़क पर फूट पड़ा। कई इलाकों में उपकेन्द्रों का घेराव, पथराव और सड़क का जाम हुआ। बिजली संकट के कारण पानी की भी समस्या बढ़ गई। लोगों ने बिजली विभाग पर लापरवाही और स्थायी समाधान न करने का आरोप लगाया। राजधानी के उपभोक्ताओं को बृहस्पतिवार को भी बिजली संकट से राहत नहीं मिली। बिजली गुल होने पर रात भर जागे लोगों ने रायबरेली रोड, बुद्धेश्वर मोहन रोड, टिकैतराय तालाब रोड पर जाम लगाया और अपट्रॉन व नूरबाड़ी उपकेन्द्र का घेराव कर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों कहना था कि बिजली आपूर्ति ठप होने के कारण पानी के लिए भी तरसना पड़ रहा है। अपट्रॉन उपकेन्द्र का घेराव, सड़क जाम- नूरबाड़ी ओल्ड उपकेन्द्र के मोज्जमनगर व आसपास के करीब 1500 घरों की बिजली बुधवार रात 11 बजे केबल में फॉल्ट के कारण गुल हो गई। रात एक बजे तक आपूर्ति बहाल न होने पर नाराज उपभोक्ताओं ने बुधवार रात 1:30 बजे नूरबाड़ी व

अपट्रॉन उपकेन्द्र का घेराव कर टिकैतराय तालाब कॉलोनी के पास सड़क पर जाम लगा दिया। एसडीओ गुलरेज अली ने बताया कि हुबलाल फीडर के भूमिगत केबल में फॉल्ट आने के कारण नूरबाड़ी न्यू उपकेन्द्र के फीडर से मोज्जमनगर व आसपास इलाकों की बिजली को चालू किया गया था। दूसरी तरफ फॉल्ट को भी सही कराया जा रहा था। नूरबाड़ी उपकेन्द्र कर्मियों ने बताया कि इसी बीच 100-150 के झुंड में लोग गालीगलौज करते हुए कार्यालय में घुस गए और मारपीट पर आमादा हो गए। जब लोगों को बताया कि उनकी बिजली अपट्रॉन उपकेन्द्र से चलती है तो लोगों ने वहां पहुंचकर आधे घंटे तक हंगामा किया। आरोप है कि जब कर्मियों ने अंदर से गेट बंद कर दिया तो लोगों ने पथराव भी किया। हंगामा के दौरान पुलिस ने लाठी चार्ज कर भीड़ को खदेड़ा। इस इलाके में संकट बृहस्पतिवार सुबह 4 बजे समाप्त हुआ। रायबरेली रोड पर प्रदर्शनकारियों की पुलिस से भिड़ंत- उत्तरेटिया उपकेन्द्र के बलदेव विहार, मवैया और देवीखेड़ा सहित आसपास के इलाकों में कई दिनों से लगातार चल रही बिजली कटौती और

फॉल्ट से परेशान लोगों का गुस्सा बृहस्पतिवार को सड़क पर दिखाई दिया। नागरिकों ने रायबरेली रोड पर सुबह 8:30 बजे जाम लगाकर बिजली विभाग के खिलाफ प्रदर्शन किया। इससे सुबह 9:30 बजे तक यातायात प्रभावित रहा। सड़क जाम खुलवाने पहुंची पुलिस की प्रदर्शनकारियों से तीखी बहस और धक्का मुक्का हुई। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि तेलीबाग, एकता नगर, कल्लि, जगतखेड़ा और उत्तरेटिया समेत आसपास की बिजली व्यवस्था चरमरा गई है। कहीं केबल जल रहा है तो कहीं ट्रांसफॉर्मर खराब होने से घंटों आपूर्ति बाधित हो रही है। शिकायतों के बावजूद न तो जिम्मेदार सुनवाई कर रहे हैं और न ही स्थायी समाधान किया जा रहा है। टेलीकॉम, केबल नेटवर्क से एबीसी में लग रही आग- राजधानी के बिजली खंभों के एबीसी में टेलीकॉम और केबल नेटवर्क तारों से आग लग रही है। इससे लोगों में नाराजगी, मगर बिजली विभाग के जिम्मेदारों को आग लगने के कारण नहीं दिख रहे हैं। बुधवार को आशीष नगर, कुर्सी रोड इलाके में एक बिजली खंभे की एबीसी लाइन में ओवरलोडिंग के कारण आग लग गई।

# चार निरीक्षकों समेत कई दरोगाओं के तबादले

रामपुर। एसपी सोमेश्वर मीणा ने पुलिस लाइन में तैनाती का इंतजार कर रहे चार निरीक्षकों समेत 12 से अधिक उपनिरीक्षकों को नई तैनाती दी है। इसके अलावा 10 से अधिक हेड कांस्टेबल और सिपाहियों के कार्यक्षेत्र में भी बदलाव किया गया है। एसपी की ओर से मंगलवार देर रात कई निरीक्षकों, दरोगाओं और सिपाहियों के तबादले किए गए। पुलिस लाइन में तैनात निरीक्षक नरेशपाल सिंह को प्रभारी जनसूचना सेल, निरीक्षक संजय कुमार यादव को निरीक्षक अपराध थाना बिलासपुर, निरीक्षक विनोद कुमार को साइबर थाना और निरीक्षक गंगाधर को निरीक्षक अपराध थाना सैफनी भेजा गया है। इसके अलावा पुलिस लाइन में तैनात उपनिरीक्षक सर्वेश सिंह यादव को थाना स्वार, सत्यप्रकाश सिंह को थाना पटवाई, धीरेन्द्र कुमार को थाना स्वार, विनोद कुमार को थाना मिलकखानम, हरिशंकर यादव को थाना अजीमनगर, देवेन्द्र सिंह को थाना सैफनी, देवपाल सिंह को थाना पटवाई, चंद्रपाल सिंह को थाना मिलकखानम, महिला उपनिरीक्षक स्नेहलता को थाना स्वार, सुरेन्द्र सिंह को थाना सैफनी, राजकुमार को थाना बिलासपुर, ज्योति चौधरी को थाना अजीमनगर, दीपक चौहान को थाना सैफनी और कपिल कुमार को थाना पटवाई भेजा गया है।

# हनी ट्रैप गिरोह की जांच में बुलंदशहर पुलिस सैफनी पहुंची

रामपुर। बुलंदशहर जिले में सक्रिय हनी ट्रैप गिरोह के खुलासे के बाद इसकी जांच की आंच रामपुर तक पहुंच गई है। गिरोह से जुड़े एक अश्लील वीडियो के सामने आने के बाद बुलंदशहर पुलिस की टीम सैफनी क्षेत्र पहुंची और मामले की पड़ताल शुरू कर दी। पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरोह ने सैफनी क्षेत्र के एक ही परिवार के तीन युवकों को अपना शिकार बनाया था। बुलंदशहर पुलिस ने कुछ दिन पहले हनी ट्रैप गिरोह का खुलासा किया था, जिसमें रामपुर निवासी एक आरोपी भी शामिल बताया गया है। इसके अलावा मिलकखानम थाने में तैनात एक दरोगा की भी पुलिस को तलाश है। बुधवार को बुलंदशहर पुलिस की एक टीम सैफनी पहुंची और पीड़ित परिवार से पूछताछ कर कई महत्वपूर्ण जानकारियां जुटाईं। गिरोह के फरार सदस्यों की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस के अनुसार कुछ आरोपियों को पहले ही जेल भेजा जा चुका है, जबकि अन्य संदिग्धों की भूमिका की जांच की जा रही है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जाएगा।

# मटेरा पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी, मात्र 36 घंटे में मोबाइल झपटमार गैंग का पर्दाफाश

क्यूँ न लिखूँ सच/ अमरीक सिंह/ बहराइच / बहराइच (मटेरा) अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे कड़े अभियान के तहत मटेरा पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। क्षेत्र में मोबाइल झपटमारी की वारदात को अंजाम देने वाले दो वांछित अभियुक्तों को पुलिस ने घटना के मात्र 36 घंटे के भीतर दबोच लिया है। मामले का खुलासा करते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री दुर्गा प्रसाद तिवारी ने बताया कि पुलिस टीम लगातार अपराधियों पर नजर रख रही थी। मुखबिर की सूचना और त्वरित



मटेरा पुलिस का कड़ा प्रहार जारी को गिरफ्तार किया गया। तलाशी और निशानदेही के दौरान इनके पास से चोरी और झपटमारी के 12 कीमती एंड्रॉयड मोबाइल बरामद हुए हैं। अपराध और अपराधियों के खिलाफ एक्शन के चलते दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। तलाशी और निशानदेही के दौरान इनके पास से चोरी और झपटमारी के 12 कीमती एंड्रॉयड मोबाइल बरामद हुए हैं। अपराध और अपराधियों के खिलाफ

# जनसुनवाई में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त, SSP अनुराग आर्य ने दिए सख्त निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच/ पंडित सत्यमशर्मा / बरेली। जनता की शिकायतों के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को लेकर बरेली पुलिस अब और ज्यादा सक्रिय नजर आएगी। रिजर्व पुलिस लाइन स्थित अधीक्षक अनुराग आर्य ने जनसुनवाई सभी क्षेत्राधिकारियों और चौकी प्रभारियों ने साफ निर्देश दिए कि हर चौकी पर हेल्प व्यवहार कुशल व दक्ष पुलिसकर्मियों की को तुरंत सहायता मिल सके। इसके साथ लगाने, आने वाले सभी प्रार्थना पत्रों को शिकायत मिलते ही जांचकर्ता को मौके अनुराग आर्य ने जांच अधिकारियों को जांच कर शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण उन्होंने कहा कि तैयार रिपोर्ट थाना प्रभारी प्रस्तुत की जाए, जिससे जवाबदेही बनी कि जनसुनवाई रजिस्टर में दर्ज शिकायतों क्षेत्राधिकारी समय-समय पर चौकियों का निगरानी करेंगे।



# संक्षिप्त समाचार

## जनता दर्शन में पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा सुनी गई जन समस्याएं

क्यूँ न लिखूँ सच/ भूपेन्द्र तिवारी/ पुलिस अधीक्षक महोदय बहराइच श्री वि श्व जी त श्रीवास्तव द्वारा जनता दर्शन में आये फरियादियों की समस्याएं/ शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों/प्रार्थना पत्रों के सम्बन्ध में सम्बन्धित अधिकारियों/थाना प्रभारियों को शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण जाँच कर निस्तारित करने हेतु आदेशित किया गया। जनसुनवाई के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक महोदय नगर श्री आयुष विक्रम सिंह उपस्थित रहे।

## 02 नफर वारन्टी गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ भूपेन्द्र तिवारी/ श्रीमान पुलिस अधीक्षक बहराइच श्री वि श्व जी त श्रीवास्तव के कुशल निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने हेतु की जा रही कार्यवाही के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) श्री आयुष विक्रम सिंह एवं क्षेत्राधिकारी कैसरगंज श्री धीरेन्द्र श्रीवास्तव के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष श्री संजीव चौहान के नेतृत्व में पुलिस टीम को मिली सफलता, थाना स्थानीय वारन्टी अभियान के दौरान 02 नफर अभियुक्त को मु०अ०सं० 11300/18 अ०सं० 125/14 धारा 323/504IPष्ट मे गिरफ्तार कर मा०न्यायालय बहराइच के समक्ष पेश करने हेतु रवाना किया गया।

## बरेली की मातृशक्ति ने जताया विरोध

क्यूँ न लिखूँ सच/ पंडित सत्यमशर्मा / मशाल जुलूस निकाल कर आरोपियों पर कार्रवाई की मांग की बरेली ग्रेटर नोएडा



की बेटी दीपिका नागर और भोपाल की बेटी दिवशा की ससुराल में दहेज के लिए निर्मम हत्या के विरोध में, बरेली, महानगर कलोनी की जागरूक बहनों ने केंडल मार्च करके अपना रोष व्यक्त करते हुए, गोल चौराहे से महानगर के मुख्य गेट तक प्रदर्शन किया। बहनों ने मांग की है कि दोषियों को सजा दी जाये। समाज में बहु बेटी को समान माना जाये। बहनों ने दहेज रुपी राक्षस का विरोध किया। इस दौरान गीता सिंधु, संगीता सिंह, रेखा सिंह, संतोष कुमारी मंजु सिंह, विजय लक्ष्मी सिंह, शशि मनोहर, शशि मौर्या, मुनेश कुमारी, ज्ञानवती सिंह, विमला सिंह, नीता देवी, मीरा गंगवार सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति मौजूद रही।

## जनसुनवाई में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त, SSP अनुराग आर्य ने दिए सख्त निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच/ पंडित सत्यमशर्मा / बरेली। जनता की शिकायतों के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को लेकर बरेली पुलिस अब और ज्यादा सक्रिय नजर आएगी। रिजर्व पुलिस लाइन स्थित अधीक्षक अनुराग आर्य ने जनसुनवाई सभी क्षेत्राधिकारियों और चौकी प्रभारियों ने साफ निर्देश दिए कि हर चौकी पर हेल्प व्यवहार कुशल व दक्ष पुलिसकर्मियों की को तुरंत सहायता मिल सके। इसके साथ लगाने, आने वाले सभी प्रार्थना पत्रों को शिकायत मिलते ही जांचकर्ता को मौके अनुराग आर्य ने जांच अधिकारियों को जांच कर शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण उन्होंने कहा कि तैयार रिपोर्ट थाना प्रभारी प्रस्तुत की जाए, जिससे जवाबदेही बनी कि जनसुनवाई रजिस्टर में दर्ज शिकायतों क्षेत्राधिकारी समय-समय पर चौकियों का निगरानी करेंगे।

## राजकीय मेडिकल कॉलेज उरई विवाद की निष्पक्ष जांच के लिए डीएम ने गठित की त्रिस्तरीय समिति

क्यूं न लिखूं सच/ नीरज कुमार/ उरई। राजकीय मेडिकल कॉलेज उरई में चिकित्सकों एवं तीमारदारों के मध्य हुए विवाद को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने मामले की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं गहन जांच के लिए त्रिस्तरीय जांच समिति का गठन किया है। यह निर्णय 18 मई 2026 की मध्य रात्रि लगभग 12 बजे घटित घटना के बाद सामने आए तथ्यों और जनआक्रोश को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। जिलाधिकारी द्वारा गठित समिति की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी प्रेमचंद्र मौर्य को सौंपी गई है। समिति में सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष, फॉरेंसिक मेडिसिन डॉ. पुनीत अवस्थी तथा अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. ईशान सोनी को सदस्य के रूप में नामित किया गया है। समिति को निर्देशित

किया गया है कि वह पूरे घटनाक्रम की निष्पक्षता के साथ जांच करे और सभी संबंधित पहलुओं का तथ्यात्मक विश्लेषण प्रस्तुत करे। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जांच के दौरान विवाद के कारणों, दोनों पक्षों की भूमिका, अस्पताल परिसर की सुरक्षा व्यवस्था, ड्यूटी पर तैनात स्टाफ की स्थिति, प्रशासनिक व्यवस्थाओं तथा घटना के बाद की कार्यवाही का विस्तार से परीक्षण किया जाएगा। इसके साथ ही यह भी देखा जाएगा कि किसी स्तर पर लापरवाही, अनुशासनहीनता या नियमों के उल्लंघन की स्थिति तो नहीं रही। उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप स्वास्थ्य संस्थानों में अनुशासन, सुरक्षा एवं बेहतर कार्य वातावरण बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। चिकित्सकों को निर्भय

होकर कार्य करने का वातावरण मिले और मरीजों व तीमारदारों को समयबद्ध एवं सम्मानजनक उपचार प्राप्त हो, यह सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। जिलाधिकारी ने समिति को निर्देश दिए हैं कि जांच आख्या शीघ्र पूर्ण कर प्रस्तुत की जाए, ताकि तथ्यों के आधार पर दोषियों की जिम्मेदारी तय करते हुए आवश्यक एवं सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। प्रशासन का उद्देश्य किसी पक्ष को संरक्षण देना नहीं, बल्कि सच्चाई सामने लाकर भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकना है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, समिति की रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी, जिससे राजकीय मेडिकल कॉलेज सहित अन्य स्वास्थ्य संस्थानों में व्यवस्था, सुरक्षा और समन्वय को और अधिक मजबूत किया जा सके।

## मात्र 36 घण्टे के भीतर झपटमारी के मुकदमें के वांछित 02 अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूं न लिखूं सच/ भूपेन्द्र तिवारी/ श्रीमान पुलिस अधीक्षक बहराइच श्री विश्वजीत श्रीवास्तव के कुशल निर्देशन व मार्गदर्शन में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने हेतु की जा रही अभियान के क्रम में श्रीमान अपर पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) श्री दुर्गा प्रसाद तिवारी एवं श्रीमान क्षेत्राधिकारी (नानपारा) श्री पट्टुप सिंह के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष मटेरा श्री हरिकेश सिंह के नेतृत्व में थाना मटेरा पुलिस टीम द्वारा मोबाइल की झपटमारी से संबंधित 02 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर घटित घटना से संबंधित 01 मोबाइल समेत कुल 12 मोबाइल बरामद करने में मिली सफलता। घटना का संक्षिप्त विवरण- दिनांक 19.05.2026 को श्री हफोजी पुत्र सदीक खान निवासी जमुनहा बाजार, थाना मल्हीपुर, जनपद श्रावस्ती द्वारा एक लिखित तहरीर दी गई कि दर्जिपुरवा, दा0 मोहरवा के पास अज्ञात व्यक्ति झपट्टा मारकर उनका मोबाइल लेकर चले गये।



जिसके आधार पर थाना मटेरा पर मु0अ0सं0 69/2026 धारा 304(2) बी.एन.एस. पंजीकृत किया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी का विवरण:- उच्चाधिकारियों के आदेश- निर्देशों के क्रम में प्रकरण में त्वरित कार्यवाही करते हुए थाना स्थानीय पर टीम का गठन किया गया तथा वांछित अभियुक्तों की तलाश की जा रही थी। इसी दौरान दिनांक 20/21.05.2026 की रात्रि में मुखबिर खास से सूचना प्राप्त हुई कि कुछ व्यक्ति मोटरसाइकिल से चोरी के मोबाइल फोन बेचने के उद्देश्य से बहराइच की ओर जा रहे हैं

। प्राप्त सूचना के आधार पर गठित पुलिस टीम द्वारा शंकरपुर नहर के पास चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान आज दिनांक 21.05.2026 को समय लगभग 01:30 बजे दो अभियुक्तों को रोककर पूछताछ एवं तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान अभियुक्तों के कब्जे से 12 अदद एंड्रॉइड मोबाइल फोन बरामद किए गए। गिरफ्तारी एवं बरामदगी के आधार पर पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्तों को माननीय न्यायालय बहराइच रवाना किया गया।

## राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि, रक्तदान कर किया नमन

क्यूं न लिखूं सच/ पंडित सत्यमशर्मा / बरेली। महानगर कांग्रेस कमेटी ने महानगर अध्यक्ष दिनेश दहा के नेतृत्व में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा आयोजित की। कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता पंडित राज शर्मा ने किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राजीव गांधी को श्रद्धासुमन अर्पित कर उनके योगदान को याद किया। महानगर अध्यक्ष दिनेश दहा ने कहा कि राजीव गांधी दूरदर्शी नेता थे, जिन्होंने युवाओं को 18 वर्ष की आयु में मतदान का अधिकार दिलाकर लोकतंत्र को मजबूत किया। उन्होंने पंचायती राज व्यवस्था और डिजिटल भारत की नींव रखने का काम किया। शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को गांवों तक पहुंचाने तथा नवोदय विद्यालय जैसी



योजनाओं को बढ़ावा देने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। पूर्व विधायक मास्टर छोटेलाल गंगवार ने कहा कि महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने की सोच भी राजीव गांधी की देन थी। आउटरीच कांग्रेस के प्रदेश महासचिव रवींद्र सहारा ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को राजीव गांधी के विचारों पर गर्व है। श्रद्धांजलि सभा के

बाद वरिष्ठ नेता डॉ. हरीश गंगवार, महानगर उपाध्यक्ष जीशान अफरीदी और कमरुद्दीन सैफी ने रक्तदान कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में पंडित राज शर्मा, बंशीधर गंगवार, मुकेश वाल्मीकि, पंकज उपाध्याय, विनोद कुमार, रेहान बसेरी, प्रवीण मिश्रा, कासिम कश्मीरी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## यातायात व्यवस्थाएं सुचारू रखने जनहित में लिए गए अहम फैसले जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में ब्लैक स्पॉट, ऑटो स्टैंड, भारी वाहनों और सड़क सुरक्षा पर विस्तृत चर्चा

क्यूं न लिखूं सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/विदिशा- प्रभारी कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की महत्वपूर्ण बैठक कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में आयोजित की गई। बैठक में जिले की यातायात व्यवस्था को अधिक सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा कर अनेक जनहितैषी निर्णय लिए गए। बैठक को संबोधित करते हुए प्रभारी कलेक्टर श्री डामोर ने कहा कि जिले में यातायात व्यवस्थाएं निर्विघ्न एवं सुचारू रूप से संचालित हों, यही प्रशासन का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने पूर्व बैठक में दिए गए निर्देशों एवं लिए गए निर्णयों के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा की। विभिन्न विभागों द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी बैठक में प्रस्तुत की गई। प्रभारी कलेक्टर ने विशेष रूप से सड़कों पर विचरण करने वाले मवेशियों की समस्या को गंभीर बताते हुए निर्देश दिए कि राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर पशुओं की आवाजाही रोकने के लिए ठोस व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके लिए हाईवे किनारे स्थित ग्रामों में शासकीय भूमि चिन्हित कर पशु शेड निर्माण की कार्रवाई संबंधित निर्माण एजेंसियों एवं विभागों को सौंपने के निर्देश दिए गए। बैठक में बताया गया



कि विदिशा नगर के प्रमुख चौराहों एवं तिराहों पर ऑटो-रिक्शा स्टैंड के लिए स्थलों का चिन्हांकन किया जा रहा है। वहीं नगर पालिका द्वारा शहर में संचालित सब्जी एवं हाथ टेला विक्रेताओं का सर्वे कराया गया, जिसमें 1258 टेला विक्रेताओं की जानकारी दर्ज की गई है। यातायात नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई के तहत रात्रिकालीन समय में भूसा परिवहन करने वाले 170 वाहनों के चालान बनाए गए हैं। प्रभारी कलेक्टर ने निर्देश दिए कि परिवहन नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों एवं भूसा व्यापारियों के लाइसेंस निलंबन संबंधी कार्रवाई का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि लोगों में जागरूकता बढ़े। बैठक में जिले के कुआंखेड़ी एवं महलुआ चौराहा को ब्लैक स्पॉट के रूप में चिन्हित किए जाने की जानकारी भी दी गई। इन स्थलों पर दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए विशेष सुरक्षा

उपाय किए जाएंगे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रशांत चौबे ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए लोगों को जागरूक करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मार्गों पर संकेतक बोर्ड, रम्बल ब्रेकर, रेडियम पट्टियां एवं फ्लेक्स आदि अधिक संख्या में लगाए जाएं ताकि वाहन चालक सतर्क रह सकें। बैठक में जिन प्रमुख एजेंडा बिंदुओं पर चर्चा की गई उनमें 'जोरो फेटेलिटी कार्यक्रम' के प्रभावी क्रियान्वयन, नगरीय क्षेत्र में ऑटो-रिक्शा स्टैंड चिन्हांकन, नगर पालिका सीमा क्षेत्र में भारी वाहनों के प्रवेश हेतु समय निर्धारण, शहर के मार्गों पर चेतावनी एवं सूचना बोर्ड लगाने, ईदगाहा चौराहा से रंगई एवं अग्रवाल स्कूल तक मैरिज गार्डनों के कारण लगने वाले जाम की समस्या तथा नवीन पाइपलाइन खुदाई के बाद सड़कों की मरम्मत कार्यों की समीक्षा शामिल रही।

## 03 परिवारों में सुलह कराते हुए परिवारों को टूटने से बचाया

क्यूं न लिखूं सच/ भूपेन्द्र तिवारी/ आवेदिका द्वारा आपसी पारिवारिक विवाद के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक महोदय के समक्ष सुलह हेतु प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसके निस्तारण हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र को निर्देशित किया गया। परिवार परामर्श केन्द्र द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायतों को विस्तारपूर्वक सुनकर-समझकर द्वितीय पक्ष से सम्पर्क करके उन्हें पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केन्द्र बुलाया गया तथा दोनों पक्षों को समझाया गया, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों द्वारा भविष्य में आपस में लड़ाई-झगड़ा न करने तथा पारिवारिक



कर्तव्यों का पालन करते हुए खुशी-खुशी साथ रहने की बात कही गयी। आपसी सुलह होने पर दोनों पक्षों को एक दूसरे के

साथ आपस में सामंजस्य स्थापित कर पारिवारिक दायित्वों को सही प्रकार से निर्वहन करने हेतु सलाह दी गयी।

## पुलिस की तत्परता से गुमशुदा नाबालिग बालक को लखनऊ से सकुशल किया गया बरामद

क्यूं न लिखूं सच/ भूपेन्द्र तिवारी/ स्थानीय पुलिस को दिनांक 16.05.2026 को समय करीब 09.56 बजे सूचना मिली कि थाना क्षेत्रांतर्गत एक 15 वर्षीय बालक बिना बताए दिनांक 14.05.2026 को समय करीब 19.00 बजे कहीं चला गया। काफी खोजबीन करने के बाद भी नहीं मिला। जिसके सम्बन्ध में थाने पर प्राप्त तहरीर के आधार पर मु0अ0सं0 74/2026 धारा 137(2) बीएनएस पंजीकृत किया गया। श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा बालक की सकुशल बरामदगी हेतु आवश्यक निर्देश दिये गये। जिसके क्रम में थाना स्थानीय पर गठित टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए सर्विलांस, इलेक्ट्रॉनिक व अन्य उपलब्ध माध्यमों से बालक की तलाश की जा रही थी। जिसमें प्राप्त इनपुट के आधार पर टीम लखनऊ रवाना की गयी तथा आज दिनांक 21.03.2026 गुमशुदा बालक को जनपद लखनऊ से सकुशल बरामद कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

कृतव्यों का पालन करते हुए साथ आपस में सामंजस्य स्थापित कर पारिवारिक दायित्वों को सही प्रकार से निर्वहन करने हेतु सलाह दी गयी।

## संक्षिप्त समाचार पनियारा गांव के पीछे दिन-रात धड़ल्ले से चल रहा अवैध खनन, प्रशासन की चुप्पी पर उठे सवाल

क्यूं न लिखूं सच/राजेंद्र विश्वकर्मा/ कोंच-उरई रोड पर मिट्टी माफियाओं का आतंक! लोगों ने विडियो की वायरल जालौन जनपद के कोंच-उरई रोड स्थित पनियारा गांव के पीछे इन दिनों अवैध मिट्टी खनन का खेल खुलेआम जारी है। आरोप है कि दिरावटी ग्राम से जुड़ा एक कथित मिट्टी माफिया बोते कई दिनों से लगातार जेसीबी और ट्रैक्टरों के जरिए बड़े पैमाने पर मिट्टी का अवैध खनन करवा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि दिन हो या रात, खनन का यह कारोबार बिना किसी डर के लगातार संचालित हो रहा है। भारी वाहनों की आवाजाही से ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, वहीं खेतों और रास्तों को भी नुकसान पहुंचने की आशंका बढ़ गई है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर कई दिनों से चल रहे इस अवैध खनन की भनक स्थानीय प्रशासन और खनन विभाग को क्यों नहीं लगी? या फिर सब कुछ जानने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी आंखें मूंदे बैठे हैं? ग्रामीणों में इस बात को लेकर भारी नाराजगी है कि नियमों को ताक पर रखकर मिट्टी का अवैध दोहन किया जा रहा है, लेकिन कार्रवाई के नाम पर सिर्फ खामोशी दिखाई दे रही है। लोगों ने प्रशासन से तत्काल जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

## राजकीय मेडिकल उरई में चिकित्सकों व तीमारदारों के बीच हुए विवाद की होगी गहन जांच छरुराजेश कुमार पाण्डेय

क्यूं न लिखूं सच/राजेंद्र विश्वकर्मा/ जालौन जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने राजकीय मेडिकल कॉलेज उरई में चिकित्सकों व तीमारदारों के बीच हुए विवाद एवं उससे उत्पन्न गंभीरता से की निष्पक्ष तीन सदस्यी गठित कर 2026 की राजकीय मेडिकल कॉलेज उरई में हुए विवाद की जांच हेतु अपर जिलाधिकारी प्रेमचंद्र मौर्य को समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। समिति में सह आचार्य एवं विभागाध्यक्ष फॉरेंसिक मेडिसिन डॉ. पुनीत अवस्थी तथा अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. ईशान सोनी को सदस्य नामित किया गया है। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए हैं कि गठित समिति पूरे घटनाक्रम के प्रत्येक पहलू की गंभीरता से जांच करेगी। समिति विवाद के कारणों, संबंधित पक्षों की भूमिका, मेडिकल कॉलेज की सुरक्षा व्यवस्था तथा अन्य प्रशासनिक व्यवस्थाओं का परीक्षण कर उत्तरदायी व्यक्तियों एवं परिस्थितियों का चिन्हांकन करेगी। जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप स्वास्थ्य संस्थानों में अनुशासन, सुरक्षा एवं बेहतर कार्य वातावरण बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने समिति को निर्देशित किया है कि जांच आख्या शीघ्र पूर्ण कर प्रस्तुत की जाए, ताकि तथ्यों के आधार पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

## जनपद में सकुशल रूप से संपन्न हुई लेखपाल भर्ती परीक्षा

क्यूं न लिखूं सच/ बदायूं। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन



आयोग की लेखपाल भर्ती परीक्षा गुरुवार को जनपद बदायूं के 15 केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सकुशल सम्पन्न हुई। एक दिवस की एक पाली की परीक्षा में जनपद बदायूं में कुल 5664 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिसमें से 4804 अभ्यर्थी उपस्थित रहे और 860 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। एक दिवसीय परीक्षा में उपस्थिति का कुल प्रतिशत 84.82 प्रतिशत रहा। जिलाधिकारी अवनीश राय ने व एसएसपी ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ परीक्षा केंद्र हाफोजी सिद्दीक इस्लामिया इंटर कॉलेज का निरीक्षण कर वहां की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया व आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

## Kitchen Hacks: Troubled by tiny cockroaches? Try this simple home remedy at night and see the results in the morning.

If tiny cockroaches lurk in your kitchen, try one of our remedies to get rid of them. The cockroach problem in kitchens increases rapidly during the summer and rainy seasons. These tiny cockroaches lurk in kitchen corners, not only spreads dirt but also increases sprays and chemicals to get rid of situation, a simple home remedy can need any expensive products. and sugar. This method is considered clean and safe. How does the baking attracted to sweet things. When baking soda reacts within their bodies, remedy is considered quite effective. remedy, first take a small bowl and mix teaspoon is sufficient, but if there are increased. The sweetness of sugar to them. It is important to mix the two the mixture. This remedy is in cockroach-infested areas - Sprinkle most commonly seen. Such as kitchen edges of cupboards, and areas with places, so this remedy is most effective pile so that cockroaches can easily children and pets. 3. Use at night - Cockroaches are most active at night and come out in search of food. Therefore, using this home remedy at night is considered more beneficial. Clean the kitchen before going to bed and then place this mixture in different places. Cockroaches will eat it overnight, gradually reducing their numbers. For best results, repeat this remedy for a few days. Also, keep the kitchen clean and free of dirt and moisture to prevent cockroaches from breeding again.



बिना केमिकल के भगाएं काँकरोच

sinks, and cabinets and can contaminate food. This the risk of many diseases. Many people use expensive them, but their effectiveness is short-lived. In such a be of great help. The special thing is that you don't Cockroaches can be eliminated with just baking soda both easy and effective and helps keep the kitchen soda and sugar remedy work? Cockroaches are easily baking soda is mixed with sugar, they consume it. The causing them to gradually die. This is why this home 1. Mix in equal amounts - To prepare this home equal amounts of baking soda and sugar. Usually, one more cockroaches in the house, the amount can be attracts cockroaches, while baking soda is harmful thoroughly so that cockroaches are easily drawn to considered both easy and very cost-effective. 2. Place the prepared mixture in areas where cockroaches are corners, under the sink, around the gas stove, the water. Cockroaches often hide in dark and damp in these areas. Place the mixture in a thin line or small reach it. Make sure this mixture is out of reach of

## Causes of High BP: The problem of high blood pressure is rapidly increasing among young people! Are you making these mistakes?

These days, the problem of high blood pressure is being seen among young people. Let's find out the reasons. The problem of high blood pressure is rapidly increasing among young people, which was previously seen only eating habits, stress, and lack of causes. Many young people increases the risk of heart disease the "silent killer" because its Therefore, it is important to lifestyle in time to avoid this the problem of high blood and what are the ways to prevent young people are: improper diet and processed food increases the affects blood pressure. Excessive a major cause of high blood from studies or work, and problem. Lack of physical mobile or laptop screens heart and blood pressure. headaches, dizziness, fatigue, and people experience chest pressure shortness of breath and rapid persist, consult a doctor



measures? To avoid high blood pressure, it is essential to adopt a healthy lifestyle. Eat a balanced and nutritious diet daily and avoid junk food. Regular exercise and yoga help control blood pressure. Reducing salt intake and drinking adequate water are also important. A good 7-8 hours of sleep is beneficial for both mental and physical health. Meditation and pranayama should be practiced to reduce stress. It's also important to have your blood pressure checked regularly to help manage problems at an early stage.

## Remedy for Sore Throat: Start your day with these two things, and your throat won't be sore all day long!

If you're also troubled by a sore throat all day, this article will be helpful. As the weather changes, problems like sore throat, irritation, and hoarseness become common. A dry throat or frequent coughing upon a major problem for many. ingredients can significantly and home remedies mention soothe the throat and prevent ingredients, especially on an keep the throat feeling clean Furthermore, they are also the body's immunity. Throat eating right and adopting small these two things: 1. If you feel upon waking, starting your beneficial. Consuming soothe the throat. Lukewarm dryness, leaving the throat anti-inflammatory properties reducing throat irritation and stomach in the morning can and basil are also considered anti-inflammatory properties inflammation and infection. immunity and helps protect seasons. You can also make Using them regularly keeps the



cough or sore throat can be reduced to a great extent. Adopt these habits also: Stay away from cold things Drink enough water throughout the day Avoid dust and pollution Eat less cold or fried things Drink turmeric milk at night Note: This article has been prepared on the basis of information collected from medical reports.

waking up in the morning becomes Starting your day with the right alleviate throat problems. Ayurveda some natural ingredients that help infections. Consuming these empty stomach in the morning, can and fresh for a long time. considered helpful in strengthening problems can be easily avoided by healthy habits. Start your day with a scratchy, sore, or heavy throat day with some healthy foods can be lukewarm water and honey helps water clears mucus and reduces feeling clear. The antibacterial and of honey are considered helpful in soreness. Consuming it on an empty provide long-term relief. 2. Ginger very beneficial for the throat. The in ginger help reduce throat Basil strengthens the body's against infections during changing ginger and basil tea and consume it, throat clear and the problem of

## Janhvi Kapoor gave this name to the director of "Peddi," and the actress shared special stories during the trailer launch.

During the trailer launch of "Peddi," actress Janhvi Kapoor made a big statement about director Buchi Babu Sana. Find out what she had to say. Audiences are eagerly awaiting South superstar Ram Charan's much-trailer was released today, and fans' more. During the trailer launch about the film's director. What did Janhvi also spoke about the film's changed her in many ways. She said, last two years, and I'm very happy. innocent on the outside, but he isn't. has changed me in many ways. He's him at least once a day and talk looks so innocent from outside, but director. Honestly, he has changed friend. I have to call him at least once the film 'Peddi' has been released worldwide on June 4. After the fans about the film has increased even more.



The excitement for the film has increased even event, the actress made a big statement Janhvi Kapoor say about the director? director, Buchi Babu, saying that he has "We've been working on this film for the It's all because of Buchi sir. He seems so He's India's rowdiest director. Truly, he become my best friend." I have to call nonsense. It's all because of Buchi sir. He he isn't. He is India's most 'rowdy' me in many ways. He has become my best a day and talk nonsense. The trailer of today. The film will be released release of the trailer, the excitement of the

## Jacob Elordi spotted with Kendall Jenner, hid his face when paparazzi spotted him; this famous couple was seen with the rumored couple.

Hollywood actor Jacob Elordi and model Kendall Jenner were once again seen spending time together. They were seen driving with Kylie Jenner and Timothée Chalamet. Actor Jacob Elordi and Kendall Jenner once again amid dating car with Kylie Jenner and Angeles. Jacob and Kendall Rumors of Jacob Elordi and been circulating for quite some chilling together several times. once again seen driving with Chalamet in Los Angeles late Elordi was driving, while next to him in the front seat. Chalamet were sitting in the friend. They were spotted two were also spotted time ago, spending time on the different hotels. According to Kendall were enjoying each sparked rumors of a early 2026, they were seen after-party hosted by Justin linked to several previous has been linked to several celebrities before Kendall, such as Olivia Jade Giannulli, Kaia Gerber, Zendaya, and Joey King. Kendall has also been rumored to be dating several times, including Devin Booker and Ben Simmons.



have been spotted together rumors. They were seen in a Timothée Chalamet in Los were together in the car - Kendall Jenner dating have time. The two have been seen Jacob and Kendall were Kylie Jenner and Timothée at night. In the photos, Jacob Kendall Jenner was sitting Kylie Jenner and Timothée back seat with another vacationing in Hawaii - The vacationing together some beach and enjoying dinner at reports, both Jacob and other's company, which relationship. Furthermore, in very close to each other at an Bieber. The actor has been relationships - Jacob Elordi

## His father gave him important advice regarding "Peddi," Ram Charan revealed a conversation he had with Chiranjeevi.

The trailer for Ram Charan's upcoming film, "Peddi," was released today. At the trailer launch, Ram Charan revealed what advice his father gave him regarding the film. Audiences



are eagerly awaiting Ram Charan and Janhvi Kapoor's upcoming film, "Peddi." The makers released the trailer for this sports drama today. At the trailer launch of "Peddi" in Mumbai, actor Ram Charan shared several important insights. He described the film as one of the most inspiring projects of his life. Ram Charan also recalled a conversation he had with his father, megastar Chiranjeevi, regarding the film.

His father gave Ram Charan advice: At the trailer launch of "Peddi," Ram Charan revealed that his father, Chiranjeevi, told him that such big projects are rare. Sometimes, they take years to land, sometimes even a decade. He advised Ram Charan to enjoy working on such a film, as such films are not available again. Projects Received After a Long Time - Comparing his previous works, Ram Charan said that the most memorable films of his career include "Magadheera" (2009), "Rangasthalam" (2018), and "RRR" (2022). These films came after a long gap. Making impactful cinema takes time and patience. While such films usually take years to make, "Peddi" was made much quicker than expected. What's Special in the Trailer? - The film is directed by Buchi Babu Sana. The trailer of the film is full of action, emotion, sporting spirit, and village drama. In "Peddi," Ram Charan will be seen playing the roles of a cricketer, wrestler, and runner. Set in Vijayanagaram, Andhra Pradesh, the trailer presents Ram Charan as a brilliant athlete. When will the film release? - Ram Charan plays the lead role in the film, while Janhvi Kapoor plays his love interest Achiyamma. Shiva Rajkumar will be seen as Gowrinaidu, Divyendu as Rambujji, and Jagapathi Babu as Appalalori. The film is scheduled to release in theaters on June 4, 2026.

## "Chand Mera Dil" receives Censor Board approval, major changes made to the film; find out when it will be released

The film "Chand Mera Dil" has received approval from the Censor Board. After cutting some scenes, the makers can now release it. Find out when the film will be released? Actress

Ananya Panday and Lakshya's upcoming film "Chand Mera Dil" has been granted a certificate by the Censor Board. The Censor Board had asked for changes to some scenes. Following this, the makers can now release it. CBFC grants U/A certificate - The makers of "Chand Mera Dil" have met



the CBFC's criteria and received approval for the film. After making changes to some scenes, it has received a U/A 16+ certificate. However, approximately 96 seconds of footage has been cut from the film. The total running time of the film is 135.36 minutes, which is approximately 2 hours and 15 minutes. Apart from this, the makers have also been asked to submit consent letters of all the child artists involved in the film. Kissing scenes of the film were censored - The Central Board of Film Certification (CBFC) had asked to remove a kissing scene of 1 minute 26 seconds from this 2 hour 15 minute film. After this, the makers cut a total of 96 seconds, after which the film got a U/A 16+ certificate. When will the film be released? Directed by Vivek Soni, 'Chand Mera Dil' is produced by Karan Johar's Dharma Productions. The songs of the film have also become very popular. They have been sung by 'Saiyaara' fame singer Fahim Abdullah. Ananya Pandey and Lakshya will be seen in the lead roles in the film. 'Chand Mera Dil' is going to be released in theatres on May 22.